twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 23 मई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 193, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेश के पास दो चिकन नेक: सीएम हिमंत सरमा

नई दिल्ली
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को चेतावनी दे दी। उन्होंने कहा कि अगर सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर उसने बुरी नजर डाली तो भारत बांग्लादेश के दोनों चिकन नेक पर अटैक करने के लिए तैयार है। कुछ दिनों पहले चीनी नेताओं से मीटिंग के दौरान बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चिकन नेक कॉरिडोर को लेकर बयानबाजी की थी। यह चेतावनी उन रिपोर्ट्र्स के बाद सामने आई जिसमें कहा गया है कि चीन लालमोनिरहट में द्वितीय विश्व युद्ध के समय से एयरबेस को फिर से ऑपरेशनल करने में बांग्लादेश की मदद कर रहा है, जो चिकन नेक कॉरिडोर से सिर्फ 100 किलोमीटर दूर मौजूद है।

हालांकि, पहले ये जान लें कि बांग्लादेश के दो चिकन नेक कौन-कौन से हैं। बांग्लादेश में एक संकरा कॉरिडोर बांग्लादेश के मुख्य भूभाग को चटगांव से जोड़ता है, जो इसका सबसे बड़ा बंदरगाह है। वहीं, दूसरा चिकन नेक, रंगपुर डिवीजन के दक्षिण में स्थित एक गलियारा है, जो मेघालय के नजदीक है। फेनी नदी के तट पर मौजूद दक्षिणी त्रिपुरा के सबरूम से लेकर चटगांव को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले जिले मिरशाराय उपजिले की दूरी करीब 30 किलोमीटर है। इस संकरे गलियारे को अगर बंद कर दी जाए तो बांग्लादेश की 20 फीसदी भूमि देश से अलग हो जाएगी। इससे चटगांव पूरी तरह से अलग-थलग पड़ जाएगा।

एनसीआर में कोरोना की दस्तक, सावधान रहें

नई दिल्ली
फरीदाबाद जिले में ढाई साल बाद मिले कोरोना संक्रमित मरीज 28 साल के सिक्योरिटी गार्ड की हालत अब बेहतर है। जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से वेरियेंट का पता लगाने के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए सैंपल भेजा जा चुका है। अब इसकी रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

वहीं जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से संक्रमित युवक का पता चलने पर उसके परिवार के तीन अन्य सदस्यों का भी कोविड टेस्ट कराया गया लेकिन उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

अब मोदी की नसों में खून नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा: पीएम

पड़ोसी देश से बातचीत और व्यापार बंद रहेगा और सिर्फ पीओके पर बात होगी: मोदी

बीकानेर
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर से गुरुवार को पड़ोसी देश पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कड़े शब्दों में कहा कि अब उसका स्टेट और नॉन-स्टेट एक्टर का नाटक नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सीधे युद्ध में भारत से नहीं जीत सकता, इसलिए उसने आतंकवाद को लड़ाई का हथियार बनाया है, लेकिन अब आतंकियों और उन्हें समर्थन देने वाली सरकार में कोई फर्क नहीं किया जाएगा। हर आतंकी हमले की कीमत पाकिस्तान की सेना और अर्थव्यवस्था को चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश से बातचीत और व्यापार बंद रहेगा और सिर्फ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) ही एकमात्र मुद्दा होगा जिसपर कोई संवाद होगा। प्रधानमंत्री ने भारत के इस नए रूप को रौद्र रूप बताया और जनता की ओर से मिले मोदी-मोदी के नारों को सम्मानपूर्वक स्वीकार किया। उन्होंने कहा, मोदी का दिमाग ठंडा है, पर लहू गर्म है। मेरी नसों में लहू नहीं, गरम सिंदूर बहता है। उन्होंने आतंकवादियों को चेताते हुए कहा कि जो भारत के खून से खेलेंगे, वे मिट्टी में मिलाए जाएंगे। पहले घर में घुसकर मारा था, अब सीने पर प्रहार किया है। पीएम ने कहा कि हम आतंकियों और सरपरस्त सरकार को अलग-अलग नहीं देखेंगे। उन्हें एक ही मानेंगे। भारत अब सिर्फ प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय करेगा। 23 अप्रैल के हमले क 22 मिनट में 9 आतंकी ठिकाने ध्वस्त करने की कार्रवाई इसका प्रमाण है।

पीएम ने 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया

कार्यक्रम में 8 राज्यों से राज्यपाल, मुख्यमंत्री और अन्य जन प्रतिनिधियों सहित जनता भी जुड़ी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बीकानेर जिला स्थित देशनोक रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया। ये स्टेशन 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में स्थित हैं और इन्हें 1100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित रहे। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण प्रयासों पर प्रकाश डाला।उन्होंने वंदेभारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों का उल्लेख किया, जो आधुनिक रेल कनेक्टिविटी का प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में कई नई रेलवे पटरियों का निर्माण किया गया है और बिना मानव स्तर क्रॉसिंग को समाप्त किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने विशेष माल गलियारों के विकास और भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति पर भी चर्चा की। मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 स्टेशनों के आधुनिकीकरण की बात की। उन्होंने विभिन्न स्टेशनों के उदाहरण दिए, जिसमें स्थानीय कला और संस्कृति को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये स्टेशन केवल भारतीय विरासत को संरक्षित नहीं करते बल्कि पर्यटन को बढ़ावा देने में भी सहायक हैं। मोदी ने राजस्थान की भूमि के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए कहा कि पानी की अहमियत को समझते हुए केन्द्र और राज्य सरकार सिंचाई परियोजनाओं पर काम कर रही है।

पाकिस्तान को हर आतंकी हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी: मोदी

पाकिस्तान को आगाह करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, हर आतंकी हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह कीमत पाकिस्तान की सेना और अर्थव्यवस्था चुकाएगी। उसे पाई-पाई के लिए मोहताज होना होगा। भारत के हक का पानी नहीं मिलेगा। भारतीयों के खून से खेलना पाकिस्तान को महंगा पड़ेगा। इस दौरान भारत की आतंक को लेकर नई तीन सूत्री नीति का उन्होंने उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अब आतंकी हमले पर करारा जवाब दिया जाएगा। समय और तरीका सेना तय करेगी और शर्तें भी हमारी होंगी। परमाणु बम की गीदड़ भभकियों से भारत नहीं डरेगा। पीएम ने कहा कि हम आतंकियों और सरपरस्त सरकार को अलग-अलग नहीं देखेंगे। उन्हें एक ही मानेंगे। भारत अब सिर्फ प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय करेगा। 23 अप्रैल के हमले क 22 मिनट में 9 आतंकी ठिकाने ध्वस्त करने की कार्रवाई इसका प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने बीकानेर जिले में स्थित देशनोक रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया। ये स्टेशन 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 86 जिलों में स्थित हैं और इन्हें 1100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 666 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन के कर्नल पवन सिंह को शौर्य चक्र से सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5वीं बटालियन जम्मू और कश्मीर के सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया को शौर्य चक्र से सम्मानित किया।

आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, बल्कि आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा: उपराष्ट्रपति

पणजी
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की। गोवा राजभवन के वामन वृक्षकला उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसियों और पूरी दुनिया को बता दिया है कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंकवादियों का पता लगाया जाएगा और उन्हें दंडित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत अब बहुत अलग है। भारत आत्मविश्वास से भरा और साहसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल हमारे कठिन पड़ोसियों को बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद को न केवल बर्दाश्त किया जाएगा, बल्कि इससे भी आगे बढ़कर आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवादी जहां भी हों, उन्हें ढूंढ़ निकाला जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत थी और यह जारी है। इसे पूरा करने के लिए हमें अपने प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता को सलाम करना चाहिए। दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की ताकत को स्वीकार किया है, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निशाना सटीक, गणनापूर्ण और मापा गया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि किसी ने सबूत नहीं मांगा क्योंकि जब ताबूत ले जाए गए तो पाकिस्तानी सेना मौजूद थी, आतंकवादी मौजूद थे, पाकिस्तान की सरकार मौजूद थी।

भारत ने तुर्की-चीन से कहा, संबंध परस्पर संवेदनशीलता-सम्मान पर आधारित

नई दिल्ली
विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के साथ खड़े तुकीर्ये और चीन को स्पष्ट संदेश दिया है कि संबंध परस्पर संवेदनशीलता और सम्मान पर आधारित होते हैं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने 10 मई को चीन के विदेश मंत्री और सीमा मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधि वांग यी से टेलीफोन पर वार्ता की। इस बातचीत के दौरान भारत ने पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाले सीमा-पार आतंकवाद पर अपना कड़ा रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने वांग यी को स्पष्ट रूप से बताया कि भारत सीमा-पार आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करता और इस संबंध में भारत का रुख पूरी तरह अडिग है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत-चीन संबंध आपसी विश्वास, संवेदनशीलता और सम्मान की नींव पर आधारित हैं और इन मूल्यों के बिना संबंधों में प्रगति संभव नहीं है। दूसरी ओर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में तुकीर्ये को भी यही संदेश दिया। प्रवक्ता ने कहा, हम अपेक्षा करते हैं कि तुर्की पाकिस्तान से सीमा-पार आतंकवाद का समर्थन बंद करने और दशकों से पाले गए आतंकवाद पारिस्थितिकी तंत्र के विरुद्ध विश्वसनीय और प्रमाणिक कार्रवाई करने का आग्रह करेगा। सीमापार आतंकवाद जिसे पाकिस्तान ने दशकों से अपने यहां आश्रय दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, रिश्ते एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर बनते हैं। प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि तुर्की के सेलेबी कंपनी से जुड़े मामले को भारत स्थित तुर्की दूतावास के साथ उठाया गया है।

पाकिस्तान को हमले के बाद दी गई थी सूचना: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली
विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को पहले निशाना बनाया गया और बाद में पाकिस्तान को सूचना दी गई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा, हमने डीजीएमओ के माध्यम से पाकिस्तान को बताया कि हमने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जवाब देने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। हमने हमले के बाद उन्हें बताया। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था, ऑपरेशन की शुरूआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। उनके इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला था। राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान को आधार बनाते हुए कहा था कि हमले की शुरूआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि इसे किसने अधिकृत किया और इसके परिणामस्वरूप हमारे वायुसेना के कितने विमान क्षतिग्रस्त हुए।

दिव्यांगों को सरकारी घरों के आवंटन में मिलेगा 4 फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली
दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में जुटी केंद्र सरकार ने उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार से जुड़ी सभी आवासीय योजनाओं में अब उनके लिए चार प्रतिशत आवास आरक्षित होंगे। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने इसे लेकर आदेश जारी किए है। मंत्रालय के मुताबिक यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास की पहल को ध्यान रखते लिया गाय है। संपदा निदेशालय ने गुरुवार को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अनुरूप केंद्र से जुड़ी सभी आवासीय योजनाओं में दिव्यांगजनों की इस आदेश के क्रम में उचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए है। स्कूलों आदि तक दिव्यांगजनों की पहुंच को सुलभ बनाने के लिए विशेष रैंप का निर्माण कराया है। इस फैसले पर केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने खुशी जताई।

अहिल्याबाई के नाम पर होगा औरैया का मेडिकल कॉलेज: सीएम योगी

लखनऊ
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान 2025 के अंतर्गत एक संगोष्ठी को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि महापुरुषों को जाति, मत या मजहब के आधार पर बांटा नहीं जा सकता। उन्होंने पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि उन्होंने महापुरुषों को इन आधारों पर विभाजित करने का प्रयास किया। विशेष रूप से समाजवादी पार्टी के शासनकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि औरैया में माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर स्थापित डिग्री कॉलेज का नाम बदलने का प्रयास किया गया था।

उन्होंने गर्व के साथ घोषणा की कि वर्तमान सरकार ने औरैया के मेडिकल कॉलेज का नाम माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं का हार्दिक स्वागत किया और माता रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां सदाचार और सद्बुद्धि है, वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक ऊर्जा की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश के 140 करोड़ लोग प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने 2014 से पहले की सरकारों पर भारत को भारतीय दृष्टिकोण से न देखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उस समय राम और कृष्ण को काल्पनिक बताया गया, रामसेतु को तोड़ने की कोशिश की गई और भ्रष्टाचार, अविश्वास, अराजकता व राजनीतिक षड्यंत्र का बोलबाला था। वहीं, मोदी सरकार ने 'नेशन फर्स्ट' का भाव पैदा किया, जिसके परिणामस्वरूप आज भारत गर्व के साथ नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन अगर कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता भी नहीं। ऑपरेशन सिंदूर इसका जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, रेलवे, मेट्रो, रैपिड रेल और रोपवे के क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख किया।

उन्होंने विशेष रूप से बताया कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रदेश सरकार की नीति को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है, जिससे उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यावरण संरक्षण में समाज भी निभाए भूमिका: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता पर जोर देते हुये कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी-2025 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने भारत के वैदिक दर्शन और सनातन परंपराओं का उल्लेख किया और प्रकृति के साथ सामंजस्य की आवश्यकता को लेकर लोगों से अपील भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएं प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाती हैं। उन्होंने वैदिक शांति पाठ का उदाहरण देते हुए बताया कि सनातन धर्म में हर मांगलिक अनुष्ठान की शुरुआत पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष और समस्त चराचर जगत के कल्याण की कामना से होती है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं हमें सिखाती हैं कि मनुष्य का अस्तित्व प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण पर निर्भर है। अथर्ववेद में कहा गया है कि धरती हमारी माता है और हम इसके पुत्र हैं। एक पुत्र के नाते, हमें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। योगी आदित्यनाथ ने 1992 में शुरू हुई वैश्विक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण की चर्चा का उल्लेख करते हुए भारत की प्रतिबद्धता को

दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक भारत को नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लिया है, लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर व्यक्ति का योगदान आवश्यक है। यह केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। जब तक हम सभी मिलकर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए काम नहीं करेंगे, तब तक सतत विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण भारत की स्वावलंबी परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले हर गांव में खलिहान, गोचर भूमि, तालाब और खाद के गड्ढे होते थे, जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। गांवों में सॉलिड वेस्ट को खाद के गड्ढों में डालकर कंपोस्ट बनाया जाता था, तालाब स्वच्छता के प्रतीक थे और गोचर भूमि पशुओं के लिए आरक्षित थी, लेकिन आधुनिकता की दौड़ में हमने इन परंपराओं को नजरअंदाज कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय असंतुलन और बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने गांवों में तालाबों को ड्रेनेज का माध्यम बनाने और गोचर भूमि पर अतिक्रमण जैसे कदमों को आत्मघाती बताया। योगी ने उत्तर प्रदेश के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य का जैव विविधता बोर्ड 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास' के विजन को साकार करने के लिए नए अभियान चला रहा है। पिछले आठ वर्षों में वन विभाग ने 210 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण कर राज्य के वन क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही, नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी को कानपुर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्मल और अविरल बनाने में सफलता प्राप्त हुई है। कानपुर, जो कभी नमामि गंगे का सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था, आज वहां गंगा स्वच्छ और जीवंत है। उन्होने जैव विविधता के संरक्षण में स्थानीय परंपराओं और ज्ञान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सनातन धर्म की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को देवताओं के साथ जोड़ा जाता है।

बीएसएफ ने पकड़ा पाकिस्तानी घुसपैठिया, दो ड्रोन बरामद

एजेंसी
चंडीगढ़। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी आरोपित के पास से पाकिस्तानी करेंसी मिली है। इसके अलावा बीएसएफ जवानों ने दो पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किए हैं। बीएसएफ द्वारा जारी जानकारी के अनुसार अमृतसर जिले में कार्रवाई करते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है। उसके पास 330 रुपये पाकिस्तानी करेंसी मिली। पूछताछ के बाद उसे स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके अलावा दो अलग-अलग ऑपरेशनों में खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ के जवानों ने फिरोजपुर सीमा के पास 02 डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद किए। इनमें एक पाल्हा मेघा गांव के पास एक खेत से बरामद किया गया है जबकि दूसरा गांव गेंडू किलचा के पास सीमा पर लगी बाड़ में फंसा हुआ पाया गया। माना जा रहा है कि दोनों ड्रोन बीएसएफ द्वारा तैनात मजबूत इलेक्ट्रॉनिक एंटी ड्रोन सिस्टम के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुए।

मोदी ने किया अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन

'हम एक साथ देश के 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बना रहे हैं'

एजेंसी
नासिक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवलाली सहित 15 एवं देश के अन्य 17 राज्यों के 87 स्टेशनों के पुनर्विकसित स्वरूप का लोकार्पण किया। नासिक जिले में देवलाली छावनी क्षेत्र में स्थित इस पुनर्विकसित स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सैन्य अधिकारियों ने भी शिरकत की तथा राजस्थान के बीकानेर से वीडियो लिंक के माध्यम से स्टेशनों का लोकार्पण किया। बीकानेर में इस कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ वागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, अर्जुनराम मेघवाल, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे उपस्थित थे। देवलाली स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में इस स्टेशन के अलावा आमगांव, सावदा, धुलै, मुर्तिजापुर, लसलगांव अमृत भारत स्टेशनों का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए आज देश में आधुनिक बुनियादी ढांचा बनाने का बहुत बड़ा महायज्ञ चल रहा है। हमारे देश की सड़कें, हवाई अड्डे, रेल और रेलवे स्टेशन आधुनिक हो, इसके लिए पिछले 11 साल में अभूतपूर्व गति से काम किया गया है। बुनियादी

ढांचे के इन कामों पर देश पहले जितना पैसा खर्च करता था, आज उससे छह गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। भारत में हो रहे इन विकास कार्यों को देखकर दुनिया भी हैरान है। श्री मोदी कहा कि आज भारत अपनी ट्रेनों के नेटवर्क को भी आधुनिक कर रहा है। ये वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेन देश की नई गति और नई प्रगति को दर्शाती हैं। अभी देश में करीब 70 मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही है। उन्होंने कहा कि इससे दूर-सुदूर के इलाकों में भी आधुनिक रेल पहुंची है। बीते 11 साल में सैंकड़ों रोड ओवरब्रिज और रोड अंडरब्रिज का निर्माण किया गया है और 34 हजार किमी से ज्यादा के नए ट्रैक बिछाए गए हैं। हम एक साथ देश के 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बना रहे हैं जिन्हें देश ने अमृत भारत स्टेशन का नाम दिया है। आज इनमें से 100 से अधिक अमृत भारत स्टेशन बनकर तैयार हैं। श्री मोदी ने कहा कि आज ही कई इलाकों में स्वास्थ्य, जल और बिजली से जुड़ी योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है, और राजस्थान को बहुत लाभ हुआ है, क्योंकि अब गांवों और सीमावर्ती क्षेत्रों में भी अच्छी सड़कें दिखाई दे रही हैं। पिछले 11 वर्षों में, केंद्र द्वारा राज्य में बुनियादी ढांचे के काम के लिए लगभग 70 हजार करोड़ रुपये का उपयोग किया गया है।उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, राजस्थान में रेलवे विकास के लिए लगभग 10 हजार करोड़ रुपये लगाए जा रहे हैं जो 2014 की तुलना में 15 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस योजना से राजस्थान के 40,000 से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं। इससे लोगों का बिजली बिल जीरो हुआ है और लोगों को सोलर बिजली पैदा करके कमाई का नया रास्ता भी मिला है। एक तरफ हम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं और साथ ही नदियों को जोड़ रहे हैं। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से राजस्थान के अनेक जिलों को लाभ होगा, यहां की धरती, यहां के किसानों को फायदा होगा।

इंडिगो इमरजेंसी लैंडिंग: तृणमूल सांसद बोलीं- पायलट को सैल्यूट, जिन्होंने हमें जमीन पर सुरक्षित उतारा

कोलकाता। दिल्ली से श्रीनगर जा रहे इंडिगो के एक विमान में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब विमान श्रीनगर के करीब तेज आंधी और भारी ओलावृष्टि की चपेट में आ गया। इसी विमान में तृणमूल कांग्रेस का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी सवार था। गनीमत रही कि पायलट की सूझबूझ से सभी यात्री सुरक्षित बच निकले, लेकिन इस दौरान विमान के आगे का कुछ हिस्सा टूट गया। इस घटना ने विमान में सवार यात्रियों को भयभीत कर दिया। विमान की खिड़कियों पर बड़े-बड़े ओले गिरते देख यात्री बुरी तरह डर गए। वीडियो फुटेज में भी देखा जा सकता है कि किस तरह विमान जोर-जोर से हिल रहा था। ऐसी परिस्थिति में पायलट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। पायलट ने शाम लगभग 6:30 बजे विमान को श्रीनगर एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया।

विमान में मौजूद तृणमूल प्रतिनिधिमंडल में बंगाल के मंत्री मानस भुइयां, राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन, ममता बाला ठाकुर, नादिमुल हक और सागरिका घोष शामिल थीं। विमान हादसे से बाल-बाल बचने के बाद सागरिका घोष ने कहा, ÷ऐसा लगा जैसे जीवन समाप्त होने वाला है। पायलट को सैल्यूट, जिन्होंने हमें ज़मीन पर सुरक्षित उतारा। उतरने के बाद देखा कि विमान की नाक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर कश्मीर का दौरा करने आए हैं और यह पूरा करके ही लौटेंगे। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के निर्देश पर यह प्रतिनिधिमंडल कश्मीर में पाकिस्तान की गोलीबारी से प्रभावित इलाकों का दौरा करने गया है। श्रीनगर पहुंचने के बाद बुधवार शाम को प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात की। बैठक में उमर अब्दुल्ला ने ममता बनर्जी को पीड़ित कश्मीरी नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए धन्यवाद दिया। गुरुवार को प्रतिनिधिमंडल श्रीनगर से सड़क मार्ग से लगभग चार घंटे की दूरी पर स्थित पुंछ के लिए रवाना हो गया। दौरा पूरा करने के बाद प्रतिनिधिमंडल ममता बनर्जी को रिपोर्ट सौंपेगा।

'छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं', रूस दौरे से पहले प्रतिनिधिमंडल का स्पष्ट संदेश

एजेंसी
नई दिल्ली । कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में रूस रवाना होने से पहले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद कैप्टन ब्रिजेश चौटा और राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के संदेश को पूरी दुनिया को पहुंचाने जा रहे हैं कि हम आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में कोई कोताही नहीं बरतेंगे। पत्रकारों से बातचीत में इन नेताओं ने कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है, लेकिन अगर कोई हमें छेड़ेगा, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। भारत की सुरक्षा के साथ कोई खिलाड़ी करने का दुस्साहस करेगा , तो हम उसे मुंहतोड़ जवाब देंगे। हमने पहले भी दिया है और निश्चित तौर पर आगे भी देंगे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और भाजपा सांसद कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया

गया। यह मेरे लिए अद्भुत पल है कि पहली बार सांसद बनने के बावजूद भी मुझे यह मौका दिया गया। उन्होंने कहा कि वहां जाकर प्रधानमंत्री मोदी के संदेश पहुंचाएंगे कि हम आतंकवाद को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शेंगे। हम पूरी दुनिया को यह संदेश देंगे कि भारत आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकता है। प्रधानमंत्री वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि हम व्यापार और आतंक को एक साथ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत अपनी स्थिति काफी पहले ही स्पष्ट कर चुका है। इसके बावजूद पाकिस्तान की तरफ से लगातार नए नैरेटिव स्थापित किया जा रहा है, वह नया प्रोपेगेंडा चला रहा है, लेकिन हम वैश्विक मंच पर उसकी नापाक चेहरे को बेनकाब करेंगे। वहीं, आप नेता और राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए असलियत दिखा दी। जिसके बाद से वह लगातार हो हल्ला कर रहा है और पूरी दुनिया में भारत को लेकर झूठ बोल रहा है कि भारत ने हमारे नागरिकों को निशाना बनाया और हमारे प्रतिष्ठानों पर हमले किए। ऐसा करके पाकिस्तान मुद्दों को डायवर्ट करने की कोशिश कर रहा है। हम अपने इसी संदेश को विदेश में पहुंचाना चाहते हैं कि भारत एक शांति प्रिय देश है, था और रहेगा। लेकिन, अगर हमारे ऊपर युद्ध थोपने का प्रयास किया जाएगा, तो हम उसका माकूल जवाब देंगे। सांसद ने आगे कहा कि पाकिस्तान लगातार यह धमकी देता है कि हमारे पास परमाणु है, लेकिन इस ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने यह दिखा दिया कि अगर पाकिस्तान के पास परमाणु है, तो भारत के पास वह सामर्थ्य है कि हम उसके परमाणु ठिकानों पर हमला कर सकते हैं। हमने यह संदेश पाकिस्तान को दिया है।

पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगार जब तक मारे नहीं जाते, ऑपरेशन सिंदूर अधूरा: संजय राउत

एजेंसी
मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर तब तक पूरा नहीं माना जाएगा, जब तक पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगार आतंकियों का सफाया नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि हमले के दोषियों को मौत की सजा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार को भी कठघरे में खड़ा करते हुए कई सवाल पूछे। मीडिया से बातचीत में राउत ने पहलगाम के गुनहगारों का जिक्र किया। बोले, '22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने हमारी माताओं और बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया। 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या की गई। हमारे मन में एक सवाल बना हुआ है कि जिन आतंकियों ने इस हमले को अंजाम दिया, वे कहां गए। सरकार ने उनके खिलाफ क्या किया?' संजय राउत ने आगे कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने पाकिस्तान को जवाब दिया। कुछ दिन दोनों देशों के बीच तनाव भी रहा। लेकिन, फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एंट्री से सीजफायर की घोषणा हुई। अब ऑपरेशन सिंदूर को

लेकर सरकार सांसदों को विदेश यात्रा पर भेज रही है। अच्छी बात है, भेजा जाना चाहिए। लेकिन, एक माह पहलगाम आतंकी हमले को चुके हैं। एक सवाल का जवाब तो केंद्र सरकार को देना चाहिए कि वे आतंकवादी कहां गए, जिन्होंने पहलगाम में हमारे निर्दोष लोगों की हत्या की।

जोशी ने आतंकवाद को पाकिस्तान का बताया समर्थन

हुबली। केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने स्पष्ट किया कि विभिन्न देशों के साथ भारत की आतंकवाद विरोधी पहल केवल 'ऑपरेशन सिन्दूर' तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आतंकवाद को समर्थन देने में पाकिस्तान की जारी भूमिका को भी उजागर करती है। श्री जोशी ने भारत के अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी प्रयासों पर एक सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तान दशकों से आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है। उन्होंने कहा, भारत द्वारा आतंकवादी ठिकानों और शिविरों को निशाना बनाए जाने के

बाद, पाकिस्तान ने अनावश्यक रूप से जवाबी कार्रवाई की। भारत की सख्त कार्रवाई के बावजूद, पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करना जारी रखता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की ओर से सख्त कार्रवाई के बावजूद पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत का रुख स्पष्ट और सभी दलों की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल टीमों का अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान सहित कई देशों का दौरा करने का कार्यक्रम है। वे पाकिस्तान और आतंकवादी संगठनों जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हक्कानी नेटवर्क के बीच संबंधों से जुड़े सबूत पेश करेंगी।

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी
चंडीगढ़। चंडीगढ़ से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट को ईमेल के जरिए उड़ाने की धमकी मिलने के बाद से परिसर में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने हाईकोर्ट परिसर को आनन-फानन में खाली करवाया। परिसर को खाली करवाने के बाद सुरक्षा अधिकारी बॉम्ब स्क्वाड टीम और स्नाइपर डॉग की सहायता से सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं।हाईकोर्ट परिसर से मुख्य न्यायाधीश और वकीलों को भी बाहर भेजा जा रहा है और किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चंडीगढ़ पुलिस के सभी बड़े अधिकारी हाईकोर्ट परिसर में पहुंच गए हैं और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। आसपास के क्षेत्रों, जैसे पंजाब

विधानसभा और सचिवालय, में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सरतेज नरूला ने बताया कि ईमेल के माध्यम से हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस ने पूरे परिसर को खाली करवा दिया है। पुलिस के सभी बड़े अधिकारी और बम स्क्वाड मौके पर मौजूद हैं। यहां प्रतिदिन 6 से 7 हजार वकील और 5 हजार के करीब लोग आते हैं। नरूला ने आगे कहा कि हमने चीफ जस्टिस से मांग की थी कि कोई वकील अगर वीसी के माध्यम से पेश होना चाहे तो हो सकता है। इसके अलावा अगर कोई वकील हाजिर नहीं होता है तो उसके खिलाफ कोई आदेश जारी नहीं किया जाए। पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव का माहौल है। पंजाब सीमावर्ती राज्य है, ऐसे समय में पंजाब और हरियाणा कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलना केंद्र और राज्य सरकारों के लिए चिंताजनक है।

जम्मू-कश्मीर: सेना को बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर, एक जवान घायल

एजेंसी
जम्मू। जम्मू -कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में संयुक्त सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान के दौरान एक जवान घायल हो गया।जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादियों के खिलाफ 11 राष्ट्रीय राइफल्स, 7 असम राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) सहित संयुक्त बलों ने किश्तवाड़ जिले के सिंघपोरा, चटरू इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। आतंकियों की संख्या चार बताई गई थी। दो आतंकियों की मौत के बाद दो आतंकियों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने बताया, मुठभेड़ सुबह शुरू हुई और अभी भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि तीन से चार आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने के बाद संयुक्त सुरक्षा बलों ने किश्तवाड़ जिले के सिंघपोरा, चटरू इलाके में

सर्च ऑपरेशन चलाया। अधिकारियों ने बताया था कि आतंकवादियों से निपटने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे सुरक्षा बलों की पहुंच से भागने में सफल न हों, घेराबंदी कड़ी कर दी गई थी। लेकिन, जैसे ही संयुक्त बल करीब पहुंचे, छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जिसके बाद आतंकियों और सुरक्षा बलों में मुठभेड़ शुरू हो गई, जो अभी जारी है। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन से चार आतंकवादियों के छिपे होने की खबर है। ऑपरेशन को ऑपरेशन त्राशी नाम देते हुए भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह चटरू, किश्तवाड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों से सामना हुआ। अतिरिक्त जवानों को शामिल किया गया है और आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए ऑपरेशन जारी है। संयुक्त बलों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों, उनके ओवरग्राउंड वर्कर्स और समर्थकों के खिलाफ आक्रामक अभियान शुरू कर दिया है।

मणिपुर में सात उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार जब्त

एजेंसी
इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों का अवैध हथियारों और उग्रवादियों के खिलाफ अभियान जारी है। पश्चिम इंफाल और काकचिंग जिले के विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर पुलिस ने भारी मात्रा में अत्याधुनिक अवैध हथियार जब्त किया है। साथ ही सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। राज्य पुलिस मुख्यालय के अनुसार पश्चिम इंफाल जिले के कंचीपुर में अभियान चलाकर पुलिस ने दो पीएलए

उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार हुवाम चित्तरंजन सिंह उर्फ थौबा और एल जॉय चंद्र मेतेई उर्फ आबुंग के रूप में पहचान की गयी है। धन उगाही से संबंधित गिरफ्तार दोनों उग्रवादियों से 5 राउंड गोलियों के साथ 3 मैगज़ीन, एक 9 एमएम कार्बाइन मशीन गन, एके राइफल की 24 सक्रिय गोलियां, एक पॉइंट 303 एलएमजी मैगज़ीन सहित विभिन्न घातक हथियारों के भारी मात्रा में गोलियां, 5 मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन और नकद धन बरामद किए गए हैं। इस तरह एक अन्य अभियान में पश्चिम इंफाल जिले के काइरांग सिंगार से 2 केसीपी, काकचिंग जिले के तेजपुर से 2 केवाईकेएल और काइरेंगई बाजार से प्रतिबंधित संगठन प्रिपाक के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान थोंजाम दिया सिंह, सिंगाबाम सिंह, नंगथामबाम रवींद्र सिंह के रूप में की गयी है। उनके कब्जे से एक 7.62 मेई स्नाइपर राइफल, 2 मैगज़ीन के साथ एक 9 एमएम की पिस्तौल, एक बाइक के साथ काफी मात्रा में गोली बरामद की गई है। अन्य दो उग्रवादियों की पहचान खुमुकचाम अमुथै मेतेई और मायांगलमबाम प्रेमचंद मेतेई के रूप में की गयी है।

शहीद संतोष कुमार यादव को दी गई श्रद्धांजलि

एजेंसी
भागलपुर। जम्मू-कश्मीर में मां भारती की सीमा की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए भारत माता के वीर सपूत शहीद संतोष कुमार यादव को उनके पैतृक गांव भिट्ठा, इस्माइलपुर में नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर विधायक शैलेन्द्र समेत अन्य वक्ताओं ने कहा कि शहीद संतोष यादव का बलिदान राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च त्याग का प्रतीक है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को देशप्रेम, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा। समस्त क्षेत्र वासी इस दुःखद क्षण में शोकाकुल परिजन के साथ खड़े हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

एनएचआरसी ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की गिरफ्तारी का लिया संज्ञान

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा के अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और हिरासत के संबंध हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा है कि प्रथम दृष्ट्या प्रतीत होता है कि प्रोफेसर पर लगे आरोप मानवाधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन है। आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसपर नोटिस जारी किया है। आयोग ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रोफेसर महमूदाबाद पर एक लेख के जरिए धार्मिक विद्वेश फैलाने और सेना की महिला अधिकारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। प्रोफेसर महमूदाबाद को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज अंतरिम जमानत दी। कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करने और संबंधित पोस्ट पर आगे कोई बयान न देने का निर्देश दिया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ड्रॉ प्रक्रिया पूरी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित की जा रही कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यात्रियों का चयन आज एक कंप्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से किया गया। यात्रा का आयोजन जून से अगस्त तक किया जाएगा। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने आज ड्रॉ किया। मंत्रालय ने कहा कि चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और लैंगिक संतुलन को सुनिश्चित किया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार चयनित यात्रियों को उनके चयन की सूचना एसएमएस और ई-मेल के जरिए दी गई है। यात्री यात्रा की वेबसाइट पर जाकर अपने चयन की स्थिति देख सकते हैं। इसके अलावा हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस वर्ष 5561 आवेदकों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें 4024 पुरुष और 1537 महिलाएं थीं। कुल 750 यात्रियों का चयन किया गया है। इनमें प्रति बैच 2 स्थानीय अधिकारी भी होंगे। यात्रा में 5 बैच 50 यात्रियों के साथ लिपुलेख मार्ग से और 10 बैच 50 यात्रियों के साथ नाथू ला मार्ग से यात्रा करेंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर योग्य हैं और इनमें बहुत कम ट्रैकिंग करनी होगी। मार्ग और बैच के विवरण यात्रा की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।मंत्री सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यात्रियों से यात्रा को जिम्मेदारी, विनम्रता और सजगता के साथ करने की अपील की। उन्होंने पर्यावरण की पवित्रता को बनाए रखने का भी आग्रह किया।

दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में डीटीयू का जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली । दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए शासन और प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली के शाहबाद दौलतपुर स्थित दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) ने 'प्लास्टिक मुक्त सार्वजनिक स्थान' अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के उपमहापौर जयभगवान यादव, निगम आयुक्त अश्विनी कुमार और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाना था। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, 'स्वच्छ दिल्ली का सपना तभी साकार होगा, जब हम सभी मिलकर प्लास्टिक के उपयोग को कम करें। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं दिल्ली नगर निगम, दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी और इस आयोजन से जुड़ी सभी संस्थाओं को बधाई देता हूं।' उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे एकल-उपयोग प्लास्टिक से परहेज करें और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाएं।

प्रोफेसर अली खान मामले में मैंने कोई पत्र नहीं लिखा : प्रियांक कानूनगो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा की अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और हिरासत को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखकर इस पूरे मामले पर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रोफेसर महमूदाबाद की गिरफ्तारी को लेकर विभिन्न मानवाधिकार संगठनों और शिक्षाविदों द्वारा चिंता जताई गई थी, जिसके बाद एनएचआरसी ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया।

इस बीच एनएचआरसी के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने यह पत्र नहीं लिखा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह पत्र उनके संस्थान की ओर से भेजा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मानवाधिकार कानून की धारा 36 के अनुसार यदि किसी राज्य में पहले से ही राज्य मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया हो, तो फिर राष्ट्रीय आयोग उसी मामले में दोबारा संज्ञान नहीं ले सकता। इस दौरान प्रियांक कानूनगो आईएएनएस से दूरी बनाते हुए नजर आए और सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत बयान नहीं दिया।

पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र, ध्यान भटकाने के लिए ले रहा भारत का नाम : विदेश मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बलूचिस्तान की घटनाओं के संबंध में पाकिस्तान के तमाम आरोपों को खारिज कर दिया। मंत्रालय द्वारा जारी संक्षिप्त बयान में कहा गया है, 'खुजदार में हुई घटना में पाकिस्तान भारत पर आरोप लगा रहा है। भारत सरकार इस आधारहीन आरोप का खंडन करती है और इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती है। पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, इसे छुपाने के लिए वह अक्सर भारत पर आरोप लगाता रहता है। दुनिया को धोखा देने वाला यह प्रयास असफल होने वाला है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में एक स्कूल बस को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। इस घटना में तीन बच्चे और दो वयस्क मारे गए हैं और 38 से अधिक घायल हैं। पाकिस्तान ने इस

हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया है। भारत ने पाकिस्तान के इस आधारहीन आरोप को खारिज कर दिया है। इस घटना की जिम्मेदारी फिलहाल किसी संगठन ने नहीं ली है लेकिन शक बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पर है, जो पूर्व में भी ऐसी घटनाओं को अंजाम देता रहा है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में जवाबी कार्रवाई की थी और आतंकवादियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन और मिसाइलों से हमले के जवाब में भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम और 11 एयरबेस तबाह कर दिए। पाकिस्तान अपने बड़े नुकसान को स्वीकार करने की बजाय भारत के मिसाइलों और राफेल विमानों को गिराने की झूठी कहानी अपने लोगों और दुनिया को सुना रहा है। पाकिस्तान की इसी झूठ का पर्दाफाश करने के लिए भारत सरकार ने सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल बनाया है जो विदेशों में जाकर सबूत सहित पाकिस्तान को हुए नुकसान को बताएगा और उसकी पोल खोलेगा।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की सराहना की

एजेंसी
नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षा बलों द्वारा 27 माओवादियों को मार गिराने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह के एक एक्स पोस्ट पर कहा कि उनकी सरकार माओवाद से जुड़ी अराजकता को पूरी तरह से समाप्त करने और अपने लोगों की शांति और प्रगति की चाह पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री अमित शाह ने बताया है कि तीन दशकों में यह पहली बार है कि सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में महासचिव स्तर के नक्सली नेता को मार गिराने में सफलता हासिल की है। शाह ने कहा, नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। आज, छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को ढेर कर दिया है, जिनमें सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला

केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल है। गृहमंत्री ने खुशी जाहिर की कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने एक बार फिर अपनी सरकार के उसे संकल्प को दोहराया जिसमें देश को 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त करने का वादा किया गया है।

कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध' कहकर सेना की शहादत और साहस का मजाक उड़ाया : तरुण चुघ

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए सवालों पर कहा कि कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध' कहकर देश की सेना की शहादत और साहस का मजाक उड़ाया है। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि राष्ट्रविरोधी मानसिकता का प्रमाण भी है। तरुण चुघ ने कहा, 'आज यह स्पष्ट हो गया है कि हाफिज सईद जैसे आतंकवादी राहुल गांधी को क्यों पसंद करते हैं। क्योंकि कांग्रेस का पूरा नेतृत्व पाकिस्तान की नैरेटिव फैक्ट्री का मुफ्त प्रवक्ता बन गया है। जिस पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों को मारा है, उनके खिलाफ कार्रवाई होने पर आपको दिक्कत क्या हो रही है? उन्होंने कहा कि खड़गे 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छोटा युद्ध' कहकर हमारे वीर जवानों की शौर्यगाथा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, जबकि सेना ने पाकिस्तान में

घुसकर नौ आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त किया और 100 से अधिक आतंकियों का खात्मा किया। पाकिस्तान के 11 एयरबेस नेस्तनाबूद हुए, क्या इसे छोटा युद्ध कहेंगे? भाजपा नेता ने कहा कि जब पाकिस्तान खुद तबाही के सुबूत दिखा रहा है, तब राहुल गांधी 'सबूत' की रट लगाकर सेना की बहादुरी का उपहास उड़ा रहे हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान में वह 'पोस्टर बॉय' की तरह पूजे जा रहे हैं। तरुण चुघ ने मुर्शिदाबाद हिंसा के मामले में पश्चिम बंगाल में हाई कोर्ट द्वारा तृणमूल कांग्रेस के नेता पर आए फैसले पर कहा है कि जब राज्य की पुलिस पीड़ितों के फोन उठाने से इनकार कर दे और हत्यारे सत्ता की छाया में पनपें, तब वह राज्य संविधान नहीं, 'शरिया तंत्र' से चलाया जा रहा होता है। उन्होंने कहा कि यह बंगाल नहीं, 'मॉडर्न जिन्ना' ममता बनर्जी के राज में बनता हुआ तालिबान है। तृणमूल कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के बंगाल में अब हिन्दू होना ही सबसे बड़ा अपराध बन गया है। तृणमूल पार्षद की अगुवाई में हुई बर्बर हिंसा और पुलिस की शर्मनाक चुप्पी इस सरकार की आतंकपरस्ती और हिन्दू विरोधी मानसिकता का खुला प्रमाण है।

पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को 'अपने आधिकारिक दर्जे के प्रतिकूल' गतिविधियों में शामिल होने के कारण 'अवांछित व्यक्ति' घोषित कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी चार्ज डी'अफेयर्स को इस आशय का एक डिमार्शे जारी किया गया। इसमें उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों और स्थिति का दुरुपयोग न करें। यह निष्कासन यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और कई अन्य लोगों की पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद हुआ है। यह गिरफ्तारी भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के हमलों के प्रयास के जवाब में देश में जासूसी

नेटवर्क पर कार्रवाई के दौरान की गई थी। इससे पहले 13 मई को भी एक पाकिस्तानी राजनयिक को देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर 'पर्सोना नॉन ग्रेटा' (अवांछित व्यक्ति) घोषित कर देश छोड़ने के लिए कहा गया था। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि यह अधिकारी नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत था और उसकी गतिविधियां उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप नहीं थीं। सरकार ने उसे 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया था। इससे पहले, पंजाब पुलिस को भी जासूसी गतिविधियों से जुड़े एक महत्वपूर्ण नेटवर्क को उजागर करने में बड़ी सफलता मिली थी। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने जानकारी साझा करते हुए बताया था कि एक महत्वपूर्ण सफलता में मलेरकोटला पुलिस ने नई दिल्ली स्थित उच्चायोग में तैनात एक पाकिस्तानी अधिकारी से जुड़ी जासूसी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

'पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह कर रहे बात', शहजाद पूनावाला का खड़गे पर तंज

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध 'कहने पर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उन पर सेना का अपमान और 'पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह' बात करने का आरोप लगाया। शहजाद पूनावाला ने समाचार एजेंसी से कहा, 'नौ आतंकी कैंप, 11 मिलिट्री बेस तबाह कर दिए गए, 100 से ज्यादा आतंकी और 70 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पहली बार न्यूक्लियर पावर देश में भारतीय सेना ने इस प्रकार का पराक्रम दिखाते हुए कार्रवाई की। लेकिन उनके लिए यह छिटपुट घटना और थोड़ी सी एक्टिविटी है। वे सेना का अपमान और पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह बात कर रहे हैं।

कांग्रेस और पाकिस्तान दोनों एक ही जुबान बोल रहे हैं। पाकिस्तान में युद्ध हारने के बाद फील्ड मार्शल बनाए जा रहे हैं और यहां पर कांग्रेस पार्टी में बैठे हुए फेल मार्शल पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। पूनावाला ने कहा, कांग्रेस ने पहली बार सेना का अपमान नहीं किया है। सड़क का गुंडा बोलना, सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक का प्रमाण मांगना। जिस प्रकार भारतीय सैन्य शक्ति का अजय राय समेत कई कांग्रेस नेताओं ने अपमान किया। कांग्रेस की प्रवृत्ति यह है कि सेना का अपमान करो, पाकिस्तान को बोलो भाई जान। जयराम रमेश के दुनियाभर में पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत की ऑल पार्टी डेलिगेशन को ध्यान भटकाने वाला बताए जाने पर पूनावाला ने जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा, पहले सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया और अब डिप्लोमैटिक एक्सरसाइज की जा रही है, जिससे पाकिस्तान बेनकाब होगा। पता नहीं जयराम रमेश क्यों इतने खफा हैं कि इसे ध्यान भटकाने वाला बता रहे हैं। वे इसे पीआर एक्सरसाइज बता रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान की पीआर एक्सरसाइज तो कांग्रेस लगातार कर रही है। कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तानी मीडिया में दिखाए जा रहे हैं। पाक को क्लीन चिट देना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उन्होंने पहले भी ऐसा किया है।

खुजदार हमले पर भारत ने पाकिस्तान के आरोप किए खारिज, जनहानि पर जताया शोक

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने बलूचिस्तान के खुजदार में हुए हमले में पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज किया है। साथ ही भारत ने जनहानि पर शोक व्यक्त किया है और कहा है कि पाकिस्तान का दुनिया को धोखा देने का यह प्रयास असफल होने वाला है। पाकिस्तान के आरोपों के संबंध में मीडिया के प्रश्नों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत आज खुजदार में हुई घटना में भारत की संलिप्तता के बारे में पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को खारिज करता है। भारत ऐसी सभी घटनाओं में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त करता है। प्रवक्ता के मुताबिक पाकिस्तान ने अपने सभी आंतरिक मुद्दों के लिए भारत को दोष देने की आदत बना ली है। इसका मकसद आतंकवाद के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा से ध्यान हटाना और अपनी घोर विफलताओं को छिपाना है। उल्लेखनीय है कि आज 21 मई को बलूचिस्तान के खुजदार में एक आर्मी स्कूल बस में हुए विस्फोटक में तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और 38 से अधिक बच्चे घायल हो गए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर दी बधाई

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नेप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सेना का आभार जताया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह नई दिल्ली में स्थित हरियाणा भवन में पत्रकारों को संबोधित किया।मुख्यमंत्री सैनी ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के जांबाज सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिलने का काम किया है। ऐसा ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री ही ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हरकत कर निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा। इस घटना से देश के लोग आहत थे और उनमें रोष था। देश के नागरिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और हमारे सैनिकों ने आतंकियों को उन्हीं की सर जमीन पर जाकर धूल में मिलाने का काम किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले आतंकवादी देश में घुसकर

घटनाओं को अंजाम देते थे। पूरे देश में भय का माहौल था, कोई भी सुरक्षित नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का काम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है, आतंकवाद की बची हुई जमीन को मिट्टी में मिलाने का। जहां से आतंकवादी जन्म लेते थे और पाक उन्हें संरक्षण देता था, उसी पाक की भूमि पर जाकर हमारे सैनिकों ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने ऐसी कार्रवाई करके देश को मजबूत, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। अब देश में संतुष्टि का भाव है और आतंकियों में भय का माहौल बना है।

बांद्रा-बीकानेर के बीच नई ट्रेन सेवा

एजेंसी
नई दिल्ली। । भारतीय रेल ने बांद्रा टर्मिनस और बीकानेर के बीच नई साप्ताहिक रेलगाड़ी प्रारंभ करने का फैसला किया है। इस संबंध में अधिसूचना रेलवे बोर्ड द्वारा जारी कर दी गई है। 22 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान के देशनोक स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उसके बाद इस ट्रेन की नियमित सेवा प्रारंभ होगी। रेलगाड़ी संख्या 21903 प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से रात्रि 23:25 बजे रवाना होगी और मंगलवार को रात्रि 20:40 पर बीकानेर पहुंचेगी। रेलगाड़ी संख्या 21904 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस प्रत्येक सुबह 8:50 बजे बीकानेर स्टेशन से खुलेगी और बृहस्पतिवार को सुबह 6:45 बजे बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि इस रेलगाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, बड़ोदरा, आनंद नडियाद, साबरमती, मेहसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़, जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर, नोखा और देशनोक स्टेशनों पर दिया गया है। इस गाड़ी में तृतीय वातानुकूलित इकोनामी श्रेणी के 18 और द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के दो कोच होंगे। दो कोच लगेज और जनरल ब्रेकवान वाले होंगे। पूरी ट्रेन में कुल मिलाकर 22 कोच रहेंगे।

पाकिस्तान में प्रमोशन का तमाशा, राजा की हताशा :मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी
नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के प्रमोशन से लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सामने आए घटनाक्रम और ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं की बयानबाजी पर अपनी राय रखी। मुनीर के प्रमोशन पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, हमारी सेना के जांबाज़ों ने पाकिस्तान और वहां मौजूद आतंकवाद की फैक्ट्री का जो जोरदार सफाया किया है, उससे पाकिस्तान की सरकार और सेना बुरी तरह बौखला गई है। इस हताशा में वहां 'प्रमोशन का तमाशा' किया जा रहा है। यह उस 'राजा की हताशा'को दर्शाता है, जहां असफलता छिपाने के लिए दिखावटी पदोन्नतियां की जा रही हैं। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सामने आए घटनाक्रम और उस पर हाईकोर्ट के फैसले को लेकर नकवी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ÷हमारा देश ऐसा नहीं हो सकता, जहां बहुसंख्यक समुदाय को सांप्रदायिक असहिष्णुता का शिकार होना पड़े। इसका मुख्य कारण है कि क्रूर और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों को सियासी संरक्षण और

सुरक्षा दी जाती है। ऐसे संरक्षण के कारण ही इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। इस प्रकार की राजकाज की क्रूरता के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं, जो इन अपराधियों को बढ़ावा देते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर की गई आलोचना को लेकर नकवी ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज कार्टून प्रतियोगिता में खुद कार्टून बनती जा रही है। जो पार्टी देश की सेना के पराक्रम और सरकार के फैसलों पर सवाल उठाती है, वह देश की जनता के दिल और दिमाग में अपना सम्मान खो चुकी है।उन्होंने आगे कहा कि आज जब हमारी सेना ने आतंकवादियों को करारा जवाब दिया है, पूरा देश गर्व से भर उठा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इसमें भी राजनीतिक अवसर ढूंढ रही है। कांग्रेस कभी भी न सेना के कार्यों की सराहना कर सकती है, न ही सरकार के किसी राष्ट्रहित के फैसले की प्रशंसा कर सकती है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को घेरा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट पर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने इसकी तुलना पहलगाम हमले से की है और कहा है कि मुर्शिदाबाद में सुनियोजित तरीके से हिन्दू घरों, संपत्तियों और लोगों को निशाना बनाया गया। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पत्रकार वार्ता कर कहा कि एसआईटी की टीम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार और पश्चिम बंगाल न्यायिक सेवा के दो अधिकारी शामिल थे। इन स्वतंत्र अधिकारियों की रिपोर्ट से यह साबित हो गया है कि ममता सरकार के कार्यकाल में हिन्दुओं पर क्रूर अत्याचार किए गए। त्रिवेदी ने बताया कि हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त समिति की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि 11 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से हमले शुरू हुए और ये स्थानीय तृणमूल नेता महमूद आलम के निर्देश पर हुए।

पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक बने रहे और कोई कार्रवाई नहीं की गई।उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया कि कुल 113 घरों को नुकसान पहुंचाया गया और लोग जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करने को मजबूर हुए। यह घटना दर्शाती है कि हिंसा कितनी गंभीर थी। इसके बावजूद कुछ टीएमसी नेता कह रहे थे कि कुछ खास नहीं हुआ। विपक्ष की हिंसा पर कथित चुप्पी पर त्रिवेदी ने निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमले को लेकर सवाल उठाने वाले हिन्दुओं की हत्या पर कुछ नहीं कह रहे। हरगोविंद दास और चंदन दास की हत्या पर चुप्पी और पाकिस्तान के लिए सहानुभूति दिखाना विपक्ष की दोहरी नीति को उजागर करता है।

संपादक की कलम से

अंधेर नगरी : फंदे के लिए गर्दन

अंधेर नगरी चौपट राजा नाटक में फांसी का फंदा बड़ा और कोतवाल की गर्दन छोटी होने के कारण मोटे-तगड़े गोर्वधन दास को फांसी पर चढ़ाने की तैयारी कर ली जाती है। क्योंकि राजा को तो बकरी के मरने पर इंसाफ करना है। इसलिए जिसकी गर्दन फंदे के नाप की हो, उसे ही सिपाही ढूंढ कर ले आए। हालांकि गुरुजी ऐन मौके पर आकर अपने चेले गोर्वधन दास को बचा लेते हैं और मूर्ख राजा स्वर्ग जाने की इच्छा लिए खुद फांसी चढ़ जाता है, इस तरह अंधेर राज समाप्त होता है। मगर क्या वाकई अंधेरगर्दी खत्म हुई है। विवेकहीन शासक और निरंकुश प्रशासन की पोल खोलते इस व्यंग्यात्मक प्रहसन को भारतेंदु हरिश्चंद्र ने एक ही दिन में लिख दिया था। वे उच्च कोटि के लेखक थे, लेकिन इस रचना और आज के वक्त को देखकर लगता है कि उनकी दूरदृष्टि भी गजब की थी। 1881 में जब यह नाटक लिखा गया, तब अंग्रेजी हुकूमत थी और भारत आजादी की लड़ाई के लिए पहला बिगुल फूंक चुका था। इस लड़ाई में हिंदू-मुसलमान सब साथ थे और मुकाबला अंग्रेजों से था। अब अंग्रेजों को गए सात दशक से अधिक वक्त बीत चुका है। भारत आजाद हो गया है, उससे अलग होकर पाकिस्तान बन गया, दोनों देशों के बीच चार युद्ध हो गए हैं, लेकिन सीमा के आर-पार आम जनता अब भी विवेकहीन शासन की अंधेरगर्दी देख रही है। पाकिस्तान में तो अब फिर से सैन्य शासन की आहट सुनाई दे रही है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मात मिली है, लेकिन दुनिया में वह अलग कहानी सुनाने में लगा है। शाहबाज शरीफ ने जिस तरह युद्धविराम के बाद लगभग डींग हांकने के अंदाज में अपनी विजयगाथा दुनिया को बताई और भर-भर के अपनी सेना की तारीफ की, उससे समझ आता है कि पूरा भाषण पहले से लिखकर उन्हें पढ़ने दिया गया। अब पाक सेनाप्रमुख जनरल आसिम मुनीर की तरक्की कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया गया है। इससे पहले पाकिस्तान में एक ही फील्ड मार्शल थे, जनरल अयूब खान। अयूब खान की वजह से पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही आई। अब क्या पाकिस्तान फिर सैन्य तानाशही की तरफ बढ़ रहा है, यह सवाल उठ रहे हैं। इधर पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में भी सेना का दबदबा बढ़ रहा है। शेख हसीना से सत्ता छीनने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया बने मोहम्मद यूनुस और देश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमान के बीच दरार बढ़ती जा रही है। जनरल जमान चुनावों की तारीख जल्द घोषित करवाना चाहते हैं, और मो.युनूस इसे टाल रहे हैं। ऐसे में जनरल जमान ने कमांडरों की बैठक बुलाई है और माना जा रहा है कि फिर से तख्तापलट हो सकता है। लोकतंत्र को नकारने, बहुलतावाद की उपेक्षा करने और कट्टरपंथ पर चलने का क्या अंजाम होता है, इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की जनता से बेहतर कौन जानता होगा। लेकिन क्या भारत की जनता जानती है कि उसकी बेहतरी किसमें है। क्योंकि अभी जो माहौल बन चुका है, वह बिल्कुल वैसा ही है, जिसका वर्णन 1881 में भारतेंदुजी ने किया था। पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, निर्दोष लोग मारे गए। सरकार से इंसाफ की गुहार लगाई गई। 14 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उसमें सफलता मिल ही रही थी कि अचानक अमेरिका के कहने पर युद्धविराम हो गया। सेना ने बताया पाक के आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए गए। जनता ने इस पर खुशी जताई कि इतनी जांबाज सेना उसकी हिफाजत के लिए है। फिर भी सरकार से सवाल हुए कि पाक में बैठे आतंकियों को तो मारा गया, लेकिन उन चार आतंकियों का क्या हुआ, जो पहलगाम तक चले आए। इसका कोई जवाब सरकार ने नहीं दिया, लेकिन अचानक अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अली खान महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि अंग्रेजी में लिखी उनकी फेसबुक पोस्ट में हरियाणा महिला आयोग को सांप्रदायिक और महिला विरोधी विचार नजर आए। प्रो.महमूदाबाद पूछते रहे कि आखिर किस जगह ऐसा लगा कि उन्होंने महिलाओं का अपमान किया है, लेकिन उन्हें जवाब नहीं मिला। उनकी गर्दन फंदे के अनुरूप दिखी होगी, तो इंसाफ की राह में उन्हें धकेल दिया गया। गनीमत है कि देश में गोर्वधनदास के गुरु जैसा विद्वान, सम्मानीय सुप्रीम कोर्ट है, जिसने प्रो. महमूदाबाद को अंतरिम जमानत दे दी। लेकिन इससे अंधेरगर्दी खत्म हो जाएगी, ऐसा लगता नहीं है। क्योंकि इस सारे प्रकरण में ध्यान गुनहगारों को पकड़ने से ज्यादा फंदे के लिए गर्दन तलाशने पर था और गर्दन अल्पसंख्यक की हो तो इंसाफ का जोर जरा ज्यादा दिखाई देगा। प्रो. अली खान महमूदाबाद की बड़ी सी पोस्ट में पाकिस्तान के आतंकवाद पोषण की आलोचना की गई है, फिर ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की तारीफ है कि उसने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। इसके बाद युद्ध की मुखालफत की गई है, लिखा है- कुछ लोग बिना सोचे-समझे युद्ध की वकालत कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने (असल में) कभी युद्ध देखा नहीं है, संघर्ष क्षेत्र में रहना या वहां जाना तो दूर की बात है। किसी छद्म नागरिक सुरक्षा अभ्यास गतिविधि का हिस्सा बनने से आप सैनिक नहीं बन जाते और न ही आप कभी किसी ऐसे व्यक्ति का दर्द जान पाएंगे जो संघर्ष के कारण नुकसान उठाता है।

युद्ध क्रूर होता है। और गरीब लोग इसका सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतते हैं, केवल राजनेता और रक्षा कम्पनियां ही इसका फायदा उठाती हैं। आगे उन्होंने उम्मीद जताई कि कर्नल सोफिया कुरैशी की तारीफ जो दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर रहे हैं, वे भाजपा द्वारा फैलाई नफरत के शिकार लोगों का भी बचाव करेंगे।

बाल अचानक झड़ना किस बीमारी का लक्षण है?

सामान्य तौर पर बालों के झड़ने की समस्या बढ़ती उम्र के साथ शुरू होती है. यदि युवावस्था में ही बाल झड़ रहे हैं तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं. यह बालों से संबंधित बीमारी या अन्य किसी बीमारी के कारण भी हो सकते हैं. यदि रोजाना आपको बाल झड़ते हुए महसूस हो रहे हैं तो तुरंत इसकी जांच करवानी चाहिए. यदि कोई बीमारी है तो उसका पता चल सकेगा या फिर बालों से संबंधित कोई समस्या हो तो शुरूआती दौर में उसका निदान हो सकेगा. अचानक क्यों झडने.लगते हैं बाल इस बारे में इस लेख में आपको बता रहे हैं.

एम्स दिल्ली में डमेर्टोलॉजी विभाग में डॉ. निखिल मेहता बताते हैं किसामान्य तौर पर बालों के झडने.की बीमारी को एलोपेसिया एरिटा कहा जाता है. यह एक स्व-प्रतिरक्षी बीमारी है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बालों के रोम पर हमला करने का कारण बनती है, जिससे बाल झड़ने लगते हैं. इसके अलावा बालों के झड़ने के कई और कारण भी होते हैं. इनमें कुछ जेनेटिक भी होते हैं. जरूरी है कि बालों के झडने की समस्या की तुरंत पहचान का प्रयास किया जाए. जिससे बीमारी की रोकथाम हो सके और बालों का झड़ना बंद हो सके.

इन कारणों से झड़ते हैं बाल

एलोपेसिया एरिटा के अलावा त्वचा के संक्रमण, तनाव, थायराइड, पोषण की कमी और कुछ दवाओं के सेवन के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं. यह समस्या स्थाई या अस्थाई भी हो सकती है. इनके अलावा टेलोजन एफ्लुवियम के कारण भी बाल झड़ते हैं. यह सामान्य तौर पर तनाव, संक्रमण और दवाओं के प्रभाव के कारण होता है. इसमें तेजी से बाल झड़ते हैं. थायराइड से संबंधित हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म भी बालों के झड़ने का कारण बनती हैं. हेयर स्टाइल और इलाज भी बालों के झड़ने का कारण बनते हैं. लगातार बाल झड़ने की समस्या को नजरअंदाज न करें. इसके निदान के लिए आपको तुरंत स्पेशलिस्ट डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. डॉक्टर बालों के झड़ने के सटीक कारण का पता लगाएंगे।

क्यों जनता भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोये?

– ललित गर्ग–

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेंसी में भ्रष्टाचार का पदार्फाश होना इस सूरज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओट में ले रहा है। इससे भी बड़ी त्रासद एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में मंत्री बच्चू भाई खाबड़ के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारमुक्त आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना पायेंगे?

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टता पर अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, ईडी और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अनूठा मामला है, जिसने हमारी कार्यपालिका और जांच तंत्र की पूरी संरचना को हिलाकर रख दिया है। इन एजेंसियों का प्राथमिक कर्तव्य अपराध की जांच करना और भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लेकिन इन उच्च जांच एजेन्सियों के आला अधिकारी ही भ्रष्ट हो तो दूसरों के भ्रष्टाचार मामलों में निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण जांच की उम्मीद कैसे संभव है? सीबीआई-भ्रष्टाचार एकमात्र मामला नहीं है, बल्कि यह विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच एक ह्यबड़ी साजिशह्न को दशार्ता है, जो अनुचित लाभ या प्रभाव डालने समेत इन विभागों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए रिश्वत के मामले को दशार्ता है। अब सर्वोच्च न्यायालय के जज भी ऐसे मामलों में लिप्त हो तो समस्या की गंभीरता को सहज ही समझा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ एवं संवेदनशील मौका है। अब इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य भी निभा सके।

भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरूआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरूआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसी का त्रासद उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के किस्से उजागर हो रहे हैं। मुजफ्फरपुर में भी मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है। जिले के कई ब्लॉक में मनरेगा में भ्रष्टाचार हो रहा है। फर्जी हाजिरी और फोटो घोटाले से हर दिन लाखों रुपये की लूट हो रही है। एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके लाखों रुपये निकाले जा रहे हैं। गुजरात में मंत्री के बेटों के द्वारा मनरेगा लूट एवं भ्रष्टाचार अधिक परेशान करने वाला एवं चिन्ता में डालने वाला है। नेता, मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है।

जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है।

अब तक आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों में ही भ्रष्टाचार के किस्से सामने आ रहे थे, अब भाजपा नेताओं एवं मंत्रियों पर भी ऐसे आरोप लगना ज्यादा चिन्ताजनक है। प्रश्न भाजपा का ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसके खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुगल बजाय हुए हैं तो यह नये भारत, सशक्त भारत, ईमानदार भारत बनाने की सार्थक पहल है। राजनीतिज्ञों, जजों, प्रशासनिक अधिकारियों की साख गिरेगी, तो राष्ट्र की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। चहुंओर पसरे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से विकास के दावों का विद्रूप रूप ही सामने आता है। हमारे पास कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के बाद तीसरा नंबर कीचड़ उछाल राजनीति का भी है,

जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही ऐसे औजार है, जो देश को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ आरपार की लड़ाई के लिए काफी कठोरता, निष्पक्षता, वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, सख्त कदम उठाने की अपेक्षा है। ऐसी ही उम्मीदभरी एवं भ्रष्टाचार-निरोधक कार्रवाई से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

तब क्या होगा, हम देखेंगे...

हम देखेंगे.. लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फ़ैज़ ने ये नज्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिया-उल-हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति 'सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख्त गिराए जायेंगे' गाते ही भीड़ ने 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक्त से यह नज्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।

बरसों-बरस यह नज्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नजर नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फ़ैज़ की यह नज्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था।

लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फिल्म 'कोर्ट' के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म 'कोर्ट' में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में 'हम देखेंगे...' नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में 'सिंहासन हिलाने' और 'तानाशाही के दौर' जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नज्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बताना लाजिमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फैज अहमद फैज के प्रशंसक थे और जिस नज्म पर इस वक्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहद पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण-व्यवहार से सबक लेना चाहिये।

फ़ैज़ की बात चली है तो यह बताना जरूरी है कि 2022 में सीबीएसई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है।

आमिर पठान के लिए दो मिनट का मौन!

– सुभाष गाताडे

वैसे पूरे मुल्क में पसर रहे इस उन्माद में क्या कभी कोई कमी आएगी? ताकि किसी भी सामाजिक या धार्मिक अल्पसंख्यक के लिए इस बात की गारंटी होगी कि वह भी इस गणतंत्र का बराबर का नागरिक है, यह मसला अब विचारणीय हो चला है। फिलवक्त इस बात की भविष्यवाणी मुश्किल जान पड़ती है! यह कह सकते हैं कि समूचे समाज को एक अजीब किस्म की जड़ता, संज्ञाहीनता ने जकड़ लिया है, गोया समूचा समाज सुन्न हो चला है।

लातूर, सूबा महाराष्ट्र के मराठवाडा इलाके के शहर- जो अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर है- की जिन्दगी अब बदस्तूर सामान्य हो गयी होगी।

बमुश्किल दो सप्ताह पहले शहर के एक हिस्से में कुछ अधिक सरगर्मी थी, जिसकी फौरी वजह एक टेलिकॉम कम्पनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी द्वारा अचानक की गयी खुदकुशी थी, गौरतलब था कि इस वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कथित तौर पर रोड रेज की एक घटना के बाद- जिसमें उसे सांप्रदायिक गालियों का शिकार होना पड़ा था- दूसरे दिन खुदकुशी की थी।

हुआ यही था कि एक कारचालक जो कथित तौर पर पत्रकार था उसकी गाड़ी एक टू व्हीलर वाले से टकरा गयी। आम तौर पर जैसे होता है कारचालक उतरा और उसने उस मसले को वही 'निपटाना' चाहा और दुपहिया चालक को धमकाने की कोशिश की। सड़क पर बढ़ते इस विवाद में जब उसे पता चला कि दुपहिया चालक आमिर पठान नामक शख्स है तो वह कथित तौर पर अधिक आक्रामक हो चला और उसने उसे यह तक पूछ डाला कि क्या वह 'पाकिस्तानी है या कश्मीरी है'। कारचालक इतना दबंग था कि वह उस पूरे विवाद को रेकार्ड भी करता रहा और उसने दुपहिया चालक को यह कहते हुए भी धमकाया कि वह इस पूरे विवाद को इंटरनेट पर अपलोड कर देगा। टेलिकॉम कम्पनी का वह उच्च अधिकारी इस पूरे प्रसंग से इतना हताश हो चला कि डिप्रेशन में चला गया और इस बात की डर से कि उसे सड़क पर प्रताड़ित करने का विडियो आनलाइन हो जाएगा, उसने दूसरे दिन शाम को आत्महत्या की।

जाहिरा तौर पर सड़कों पर होने वाली रोजमर्रा की तमाम घटनाओं की तरह जहां लोगों की असभ्यता और दबंगई खुल कर सामने आती है , यह घटना भी भुला दी जाती लेकिन सड़क पर सांप्रदायिक गालीगलौज और प्रताड़ित करने के इस प्रसंग का एक किस्म से अप्रत्यक्ष गवाह आमिर की पत्नी बनी, जब धाराशिव के प्राइवेट बैंक में कार्यरत आमिर की पत्नी समरीन ने इस घटना के दौरान ही उसे कॉल किया था, यह बताने के लिए कि वह अगले संविधान चैक पर खड़ी है और दोनों वहीं से साथ घर चलेंगे। फोन पर इसी संभाषण के दौरान उसने एक अजनबी आवाज को सुना था जो उसके पति को धमका रहा था.

आमिर पठान की मृत्यु हुए दो सप्ताह हो गए है।

इस पूरे प्रसंग में आखिरी बात यही सुनने को मिली थी कि समरीन ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है, जिसमें प्रताड़ित करने वाले व्यक्ति का नाम और गाड़ी नम्बर में लिखा है, मगर पुलिस ने एक तरह से बिना किसी व्यक्ति का नाम दर्ज किए रिपोर्ट दर्ज की है। उसका यह भी कहना है कि घटना को लेकर कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है कि फलां व्यक्ति के चलते मुझे आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा और घटना का कोई गवाह भी सामने नहीं आया है।

इस बात की भविष्यवाणी करने मे कोई मुश्किल नहीं होगी कि समरीन के सामने न्याय पाने का एक बेहद लम्बा और लगभग अकेला रास्ता पड़ा है, क्या उसे न्याय मिल सकेगा? गौरतलब है कि आमिर पठान को सड़क पर सरेआम जिस प्रताड़ना से गुजरना पड़ा भारत की सड़कों की आम परिघटना हो चली है, जहां अक्सर हम यह भी सुनते हैं कि ऐसे घटना की परिणति आपसी मारपीट यहां तक कि कई बार हत्या तक पहुंचती है। आमिर के साथ उसकी धार्मिक पहचान का पहलू भी जुड़ गया।

ढेर सारी रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं कि 21 वीं सदी की इस तीसरी दहाई में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए हिन्दोस्तां के अंदर एक सम्मान का जीवन जीना और समान नागरिक के तौर पर अपनी जिन्दगी बिताना अधिकाधिक मुश्किल हो चला है। विश्लेषकों ने इस बात को भी रेखांकित किया है कि सत्ता के उच्चपदस्थ लोग भी अपने वक्तव्यों और मौन से ऐसी कार्रवाइयों को हवा देते हैं। कुछ साल पहले सत्ता पर बैठे ऐसे ही व्यक्तियों द्वारा उन्हें 'कपड़ों से पहचाने जाने वाले', 'चार-चार शादियां करने वाले' के तौर पर लांछन लगाते सुना गया था।

आमिर के साथ जिस दिन यह हादसा हुआ, वह वही दौर था जब पहलगाम आतंकी हमला हो चुका था और देश भर से यह खबरें भी आ रही थीं कि किस तरह भारत में कश्मीरियों और मुसलमानों पर हमले की घटनाओं में उछाल आया था।

विभिन्न नागरिक अधिकार संगठनों ने ऐसी घटनाओं का बाकायदा दस्तावेजीकरण भी किया है और ऐसे मामलों की सूची तक पेश की है कि किस तरह देशभर में नफरती हमले हुए, लोगों को मारा पीटा गया, कहीं-कही हत्याएं भी हुई।

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन आफ सिविल राइटस ने अपनी रिपोर्ट में ऐसे '184 मामलों की सूची बनायी है जहां देश भर में मुस्लिमों के खिलाफ नफरती हिंसा हुई, उन्होंने 22 अप्रैल 2025 से 8 मई 2025 में मीडिया में प्रकाशित ऐसी रिपोर्टों को अपना आधार बनाया है। उनके मुताबिक ऐसी घटनाओं में 84 घटनाएं नफरती वक्तव्यों की थी, 39 हमले की घटनाएं थी, 19 घटनाओं में अल्पसंख्यकों के मकानों या दुकानों को आग के हवाले किया गया और हत्या की तीन घटनाएं थीं। हम यह भी पाते हैं कि 'पहलगाम की प्रतिक्रिया' के नाम पर मुसलमानों पर ऐसे व्यक्तिगत, स्वतःस्फूर्त हमलों के अलावा, धर्मांध ताकतों ने- जो हिन्दुत्व वर्चस्ववादी संगठनों से ताल्लुक रखती हैं या उनके निर्देश पर काम करती है , उन्होंने देश भर ऐसे कारनामे किए ताकि देश का सांप्रदायिक माहौल और बिगड़ जाए, आपसी दंगे शुरू हो, गनीमत यही थी कि आम लोग उनके बहकावे में नहीं आए।

आमिर पठान की मौत की खबर जल्द ही भुला दी जाएगी।

'चिर बैरी पाकिस्तान' के साथ युद्ध के अधबीच में ही समाप्त हो जाने और जिसके लिए राष्ट्रपति ट्रम्प की कथित मध्यस्थता की खबर से आहत प्रबुद्ध समाज के एक बड़े हिस्से के लिए लातूर की यह अदद मौत क्या मायने रखती है?

मुमकिन है कि नागरिक अधिकारों के प्रेमी चंद लोग इस मौत को लेकर अभी भी शोकमग्न हो तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए उसे दस्तावेजीकृत कर दें।

धाराशिव के प्राइवेट बैंक में कार्यरत समरिन को न्याय पाने की लड़ाई में नैतिक बल प्रदान कर दें।

पृथ्वी पर सौर तूफान का खतरा, नासा ने जारी की चेतावनी

एजेंसी
वाशिंगटन। नासा ने हालिया सौर गतिविधियों के मद्देनजर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी की ओर बढ़ रही प्रबल सौर लपटें (सोलर फ्लेयर्स) आने वाले दिनों में जीपीएस, रेडियो संचार और बिजली आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण ढांचे को बाधित कर सकती हैं। यह चेतावनी 2025 की अब तक की सबसे शक्तिशाली एक्स-2.7 श्रेणी की सौर लपटों के फटने के बाद दी गई है, जिसे नासा के सोलर डायनामिक्स ऑब्जर्वेटरी ने रिकॉर्ड किया है। बताया गया कि यह तीव्र सौर लपट 14 मई को अपने चरम पर पहुंची थी, जिसके कारण यूरोप, एशिया और मध्य पूर्व में कुछ समय के लिए हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो संचार ठप हो गया था। अमेरिका की नेशनल

ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के अनुसार, कुछ क्षेत्रों में रेडियो सेवाएं 10 मिनट तक बाधित रही थी। आने वाले दिनों में भी इस समस्या फिर से आने की संभावना है।

क्यों बढ़ रहा है खतरा-

सूर्य वर्तमान में अपने 11 वर्षीय सौर चक्र के चरम की ओर बढ़ रहा है, जिससे विस्फोटक सनस्पॉट की संख्या में वृद्धि हो रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में और भी शक्तिशाली सौर तूफान धरती की ओर बढ़ सकते हैं, जिससे सैटेलाइट तकनीक, नेविगेशन सिस्टम, और बिजली ग्रिड पर असर पड़ सकता है।

सौर लपटें होती क्या हैं-

नासा के अनुसार, सौर लपट एक प्रकार का अचानक और तीव्र ऊर्जा विस्फोट होता है, जिसमें प्रभावशाली मात्रा में कण, ऊर्जा, चुंबकीय क्षेत्र और पदार्थ सौर मंडल में फैल जाते हैं। एक्स-2.7 श्रेणी की हालिया सौर लपट सबसे उच्च-शक्ति वाले विस्फोटों में से एक मानी जा रही है, जो पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल को सीधे प्रभावित कर सकती हैं।

नेपाल में संसदीय समिति के अध्यक्ष पर बैठक में ही महिला सांसद ने फेंका माइक

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में महिला एवं समाज कल्याण मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष किरण साह पर बैठक के दौरान समिति की एक महिला सदस्य कल्पना मियां ने माइक फेंक कर हमला किया। हालांकि माइक हमले से साह ने खुद को बचा लिया। कल्पना मियां सीपीएन (एमसी) की सांसद हैं। समिति की बैठक में देर से पहुंचीं सांसद कल्पना मियां बिना अध्यक्ष की अनुमति के ही बोलने लगीं तो उनको रोकने का प्रयास किया गया। इससे नाराज होकर उन्होंने अध्यक्ष पर माइक फेंक कर प्रहार किया। इस संबंध में संसदीय समिति के अध्यक्ष किरण साह ने बताया कि एक तो विलंब से समिति की बैठक में पहुंचीं और बिना अनुमति के ही बोलने लगीं। साह ने बताया कि जब उन्होंने उन्हें बीच में नहीं बोलने को कहा और अपने स्थान पर बैठने को कहा तो उन्होंने मुझ पर माइक फेंका। उधर, कल्पना मियां का कहना है कि समिति की बैठक में उन्होंने अपना पक्ष रखने की बार-बार कोशिश की पर अध्यक्ष ने उन्हें अनुमति नहीं दी। बाद में बिना अनुमति के ही बोलने लगी जिसके बाद उन्हें टोका गया और गुस्से में आकर अध्यक्ष पर ही माइक फेंक दिया। सांसद मियां ने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था।

पाकिस्तान में सिंधु नदी नहर परियोजना का विरोध, मंत्री का आवास फूंका

कराची। पाकिस्तान में सिंधु नदी नहर परियोजना का विरोध हिंसक हो गया। परियोजना का विरोध कर रहे लोगों ने मंगलवार को नौशहरो फिरोज जिला के मोरो शहर में सिंध प्रांत के गृहमंत्री जियाउल हसन लंजर के आवास और राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई कंटेनरों में आग लगा दी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ तीखी झड़प हुई है। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज के अनुसार मोटरसाइकिल सवार प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग सुरक्षा संगठन के सदस्यों सहित कर्मियों पर हमला किया। एक ट्रेलर से उर्वरक बैग लूट लिए और भाग गए। सरकार ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी की है। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। सिंध के गृहमंत्री जियाउल हसन लंजर ने अपने आवास पर आगजनी की घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि कानून के शासन को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का आदेश दिया। कॉमन इंटरेस्ट्स काउंसिल ने 28 अप्रैल को प्रांतों के बीच आम सहमति बनने तक सिंधु नदी नहर परियोजना पर रोक लगा दी है। अन्य संचार माध्यमों की रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पुलिस के साथ झड़प में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है और एक डीएसपी व छह अन्य पुलिसकर्मियों सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

इजराइल ने गाजा पर बमबारी की, 42 की मौत, संयुक्त राष्ट्र ने कहा- 14 हजार बच्चे भूख से बेहाल

गाजा पट्टी। इजराइल की सेना द्वारा गाजा पर की गई बमबारी में आज सुबह से कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल ने इस क्षेत्र में भयावह युद्ध को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) और यूरोपीय संघ की चिंता को खारिज कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 14,000 बच्चे (शिशु) भूख से बेहाल हैं। अगर 48 घंटों के भीतर इनको खाद्य सामग्री नहीं मिल पाई तो इनकी जान का खतरा है। अल जजीरा न्यूज की खबर में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इजराइली प्रतिबंधों के कारण गाजा में कोई सहायता वितरित नहीं की जा सकी है। कुछ सहायता सामग्री लेकर ट्रक क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गाजा पर इजराइल के युद्ध में कम से कम 53,573 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 121,688 घायल हुए हैं। सरकारी मीडिया ने मृतकों की संख्या 61,700 से अधिक बताई है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के दौरान इजरायल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया। फिलिस्तीन राज्य की आधिकारिक न्यूज एजेंसी वाफा के अनुसार इजराइली सैनिकों ने बेथलहम के अल-दोहा शहर से दो भाइयों को गिरफ्तार किया है।

चीन ने पाकिस्तान, भारत के बीच वार्ता के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने का स्वागत किया: वांग

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि चीन पाकिस्तान और भारत द्वारा बातचीत के माध्यम से अपने मतभेदों को ठीक से निपटाने, व्यापक और स्थायी युद्धविराम हासिल करने और मौलिक समाधान तलाशने का स्वागत करता है और उसका समर्थन करता है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग ने मंगलवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के साथ बातचीत करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह दोनों पक्षों के मौलिक और दीर्घकालिक हितों के अनुरूप है, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की आम अपेक्षा के अनुरूप भी है।श्री वांग ने कहा कि चीन और पाकिस्तान ने पारंपरिक मित्रता को मजबूत करने, पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को मजबूत करने और चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान करने पर घनिष्ठ रणनीतिक संचार बनाए रखा है।

आयरलैंड के विदेश मंत्री ने गाजा में इजराइल की कार्रवाई को बताया 'बर्बर', की कड़ी निंदा

एजेंसी
डबलिन। आयरलैंड के विदेश मंत्री साइमन हैरिस ने संसद में एक प्रभावशाली वक्तव्य देते हुए गाजा में इजराइली कार्रवाइयों को 'बर्बर और मानव गरिमा के खिलाफ' करार दिया। उन्होंने इजराइल की नीतियों और युद्धक कदमों की अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुलकर आलोचना की। संसद में हैरिस ने इजराइली हमले की मुखर आलोचना करते हुए कहा कि गाजा में इजराइल की कार्रवाई मानवता के खिलाफ बर्बरता है। इजरायल की सेना मेडिकल स्टाफ, पत्रकारों और बच्चों को निशाना बना रही है, जिसे दिन-रात देखना असहनीय हो गया है। इतना ही नहीं गाजा में मानवीय सहायता पर लगी नाकेबंदी अंतरराष्ट्रीय कानून का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा हालात जारी रहे तो भुखमरी की वजह से 15,000 से अधिक बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती है। साइमन हैरिस ने केवल गाजा ही नहीं, बल्कि वेस्ट बैंक में इजराइल की दमनात्मक गतिविधियों की भी आलोचना की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयरलैंड इजराइली अधिकृत क्षेत्रों में बन रहे उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नए कानून लाने की योजना बना रहा है। आयरिश नेता ने आयरलैंड की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि उनका देश इजराइल और फिलिस्तीन के बीच दो-राष्ट्र समाधान का प्रबल समर्थक है, और वह एक ऐसा भविष्य चाहता है जहां दोनों देश शांति से सह-अस्तित्व में रह सकें।

इजराइल की सुप्रीम कोर्ट ने 'शिन बेट' प्रमुख को हटाने के सरकार के फैसले को अवैध करार दिया

एजेंसी
येरुशलम। इजराइली सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा देश की आंतरिक खुफिया एजेंसी 'शिन बेट' के प्रमुख रोनन बार को हटाने के निर्णय को 'अवैध और कानून के विरुद्ध' बताया है। यह जानकारी इजराइली मीडिया रिपोर्टों के हवाले से सामने आई।

अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए साफ किया कि सरकार द्वारा बिना विधिसम्मत प्रक्रिया के लिए यह निर्णय न केवल असंवैधानिक है, बल्कि यह शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही के मूल सिद्धांतों के भी विरुद्ध है। दरअसल, सरकार द्वारा मार्च माह में लिए गए इस फैसले के विरुद्ध देशभर में सिविल सोसायटी समूहों, पूर्व सुरक्षा अधिकारियों और विपक्षी नेताओं ने प्रदर्शन किए थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार का यह कदम लोकतंत्र की बुनियाद पर हमला है और इससे देश की सुरक्षा एजेंसियों की स्वतंत्रता को

खतरा पैदा होता है। उल्लेखनीय है कि इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी 'शिन बेट' आतंकवाद, जासूसी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर कार्य करती है। इस संस्था के प्रमुख का पद अत्यधिक संवेदनशील होता है, और उसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक दखल की आशंका गहरी चिंता का विषय माना जाता है।

मानव तस्करी मामले में गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्व मुख्य आप्रवासन अधिकारी तीर्थ राज भट्टाराई को मानव तस्करी गिरोह के साथ कथित संबंधों की जांच के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। भट्टाराई को पिछली शाम ही गृह मंत्रालय में स्थानांतरित किया गया था। इससे पहले वह त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आप्रवासन कार्यालय के प्रमुख थे, जहां एंटी करप्शन ब्यूरो ने उनकी गिरफ्तारी से कुछ समय पहले छापा मारा था। ब्यूरो ने आप्रवासन अधिकारियों द्वारा बड़ी रकम एकत्र करने और अवैध रूप से यात्रा वीजा पर विदेश यात्रा की सुविधा प्रदान करने के बारे में कई शिकायतें मिलने के बाद छापेमारी शुरू की। ऑपरेशन के दौरान एंटी करप्शन ब्यूरो ने विस्तृत जांच के लिए आप्रवासन कार्यालय से कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों को जब्त कर लिया। जांचकर्ताओं ने उन सबूतों का

खुलासा किया जिसमें भट्टराई की मानव तस्करी गिरोह के साथ मिलीभगत का संकेत दिया गया था। उनके मोबाइल फोन, जो अब ब्यूरो के नियंत्रण में हैं, में कथित तौर पर मामले से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। चल रही जांच के हिस्से के रूप में आधिकारिक दस्तावेजों को भी सुरक्षित कर लिया गया है। गृह मंत्रालय को इस मुद्दे के बारे में सतर्क कर दिया गया था, जिसके कारण भट्टराई का तबादला उनकी हिरासत से ठीक एक दिन पहले हो गया था। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने आप्रवासन कार्यालय पर छापेमारी पर अब तक सिर्फ सहसचिव की गिरफ्तारी की पुष्टि की है जबकि हवाई अड्डे से आठ अन्य अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

गाजा पर इजराइल के ताजा हमलों में मरने वालों की संख्या 82 हुई

एजेंसी
दीर अल-बलाह। इजराइली सेना द्वारा गाजा पट्टी में किए जा रहे हमलों ने एक बार फिर तबाही मचाई है। हुए ताजा हमलों में कम से कम 82 लोगों की मौत हुई, जिनमें कई महिलाएं और एक सिर्फ 7 दिन का नवजात शिशु भी शामिल है। यह जानकारी गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और क्षेत्रीय अस्पतालों द्वारा साझा की गई है। गाजा पर हो रहे इजराइली हमलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद इजराइल की सैन्य कार्रवाई और हमले तेज होते जा रहे हैं। नागरिक क्षेत्रों में हो रही इस भीषण बमबारी के बीच राहत की उम्मीदें भी धराशायी होती नजर आ रही हैं। इजराइल ने गाजा में मानवीय

सहायता लेकर जा रहे दर्जनों ट्रकों को प्रवेश की अनुमति दी थी, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता एजेंसी के प्रवक्ता जेंस लार्के के अनुसार, गाजा के दक्षिणी हिस्से में स्थित केरम शालोम बॉर्डर क्रॉसिंग से एक भी ट्रक को स्थानीय कर्मचारियों ने उठाया नहीं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफान दुजारिक ने बताया कि राहत सामग्री गाजा में प्रवेश कर गई थी, लेकिन इजराइली सेना द्वारा ट्रकों से सामग्री को दोबारा अन्य ट्रकों में लादने के आदेश दिए गए, जिससे वितरण में समय की भारी कमी आ गई। नतीजतन, सहायता कर्मी मंगलवार को सामग्री वितरण के लिए आगे नहीं बढ़ सके। इजराइल के रक्षा विभाग, जो गाजा में मानवीय सहायता की निगरानी करता है, ने कहा है कि सुबह ट्रक सीमा पार कर गाजा में प्रवेश कर चुके हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह सहायता अब गाजा के आंतरिक हिस्सों तक पहुंच पाएगी या नहीं।

श्रीलंका के पूर्व मंत्री केहेलिया का बेटा रामिथ भी गिरफ्तार

एजेंसी
कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व मंत्री केहेलिया रामबुकवेला के बेटे और पूर्व क्रिकेटर रामिथ रामबुकवेला को भी भ्रष्टाचार जांच आयोग ने लगभग 10 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। कुछ दिन पहले कोलंबो की एक अदालत ने उनके पिता से जुड़े मामले में उन्हें संदिग्ध के रूप में नामित करने की अनुमति प्रदान की थी। डेली न्यूज की खबर के अनुसार, केहेलिया ने भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर फरवरी 2024 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वह इस समय अदालत के आदेश पर पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में हैं। श्रीलंका के समाचार पोर्टल न्यूज फर्स्ट के अनुसार, रामिथ रामबुकवेला आज सुबह भ्रष्टाचार जांच आयोग के समक्ष पेश हुए। कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत ने 20 मई को सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री केहेलिया रामबुकवेला के बेटे रामिथ रामबुकवेला को अगले दिन आयोग के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। यह भ्रष्टाचार आठ मिलियन रुपये से अधिक का बताया गया है। केहेलिया रामबुकवेला 2021 से 2023 तक मास मीडिया, स्वास्थ्य और पर्यावरण मंत्री रह चुके हैं। यह भ्रष्टाचार उसी समय का बताया जा रहा है। आरोप है कि उन्होंने नकली दवा खदीद घोटाले के अलावा अपने कार्यकाल के दौरान निजी कर्मचारियों में कई करीबी सहयोगियों को नियुक्त किया और उनकी ओर से अवैध रूप से भत्ते प्राप्त किए। आयोग की जांच में सामने आया है कि इससे सरकार को आठ मिलियन रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ है। उनका बेटा रमिथ रामबुकवेला इस मामले दूसरा संदिग्ध बताया गया है।

दुबई इंटरनेशनल होली कुरान अवार्ड प्रतियोगिता में बदलाव, पहली बार महिलाओं के लिए खुले दरवाजे

एजेंसी
दुबई। 'दुबई इंटरनेशनल होली कुरान अवार्ड' प्रतियोगिता के आयोजकों ने 27 साल के इतिहास में नियमों में बड़ा बदलाव किया है।अब प्रतियोगिता के दरवाजे महिला प्रतिभागियों के लिए भी खोल दिए गए हैं। इस प्रतियोगिता में पिछले कुछ वर्षों में 91 देशों के 2,107 प्रतिभागी भाग ले चुके हैं। एक बदलाव यह भी किया गया है कि अब सभी प्रतिभागियों के स्व-नामांकन को स्वीकार किया जाएगा। इसके लिए आधिकारिक देश के नामांकन की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। खलीज टाइम्स की खबर के अनुसार यह घोषणा आज, संवाददाता सम्मेलन में की गई। इस बार घोषित कुल पुरस्कार राशि 12 मिलियन दिरहम है। इसमें एक मिलियन डॉलर का शीर्ष पुरस्कार भी

शामिल है। यह पुरस्कार इस्लामी विद्वता के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में दुबई की स्थिति को मजबूत करता है। इस बार प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में समेकित किया गया है- पुरुष पुरस्कार, महिला पुरस्कार और इस्लामिक पर्सनालिटी ऑफ द ईयर पुरस्कार। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को एक मिलियन डॉलर, दूसरे स्थान पर रहने वाले को 100,000 डॉलर और तीसरे स्थान पर आने वाले विजेता को 50,000 डॉलर मिलेंगे। इस्लामिक पर्सनालिटी ऑफ द ईयर पुरस्कार विजेता को एक मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। संवाददाता सम्मेलन में साफ किया गया कि पंजीकरण के समय प्रतिभागियों की उम्र 16 वर्ष से कम होनी चाहिए और उन्हें उचित पाठ और तजवीद नियमों के साथ पवित्र कुरान याद होना चाहिए।

जो लोग पिछले संस्करणों में फाइनल में पहुंच चुके हैं या सम्मानित हो चुके हैं, वे इस बार हिस्सा नहीं ले सकेंगे। प्रतिभागियों का तीन चरणों में मूल्यांकन किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में पुरस्कार वेबसाइट पर सबमिट किए गए वीडियो पाठों का मूल्यांकन शामिल है।

स्पेन में रूस समर्थक यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर के पूर्व सहयोगी एंड्री पोर्टनोव की हत्या

एजेंसी
मैड्रिड (स्पेन)। स्पेन की राजधानी मैड्रिड के उपनगर में रूस समर्थक यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच के पूर्व वरिष्ठ सहयोगी एंड्री वलोडिमिरोविच पोर्टनोव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। 51 वर्षीय पोर्टनोव को सुबह गोली मारी गई। पोर्टनोव की हत्या के बाद पुलिस ने सारे इलाके को घेर लिया। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, यह जानकारी स्पेनिश राष्ट्रीय पुलिस के एक सूत्र ने दी। सूत्र ने बताया कि 51 वर्षीय पोर्टनोव को स्थानीय समयानुसार सुबह 9:15 बजे (ईटी के अनुसार सुबह 3:15 बजे) कार में बैठते समय गोली मारी गई। हमलावरों ने उनकी पीठ और सिर में गोली मारी और जंगल की तरफ भाग गए। यह घटना मैड्रिड के पश्चिम में एक समृद्ध उपनगर पॉजुएलो डी अलाराकॉन में स्थित द अमेरिकन

स्कूल ऑफ मैड्रिड के बाहर हुई। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, स्पेन और अन्य देशों के 1,000 से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। द अमेरिकन स्कूल ऑफ मैड्रिड के सूत्रों के अनुसार, सभी विद्यार्थी सुरक्षित हैं। माना जा रहा है कि पोर्टनोव का बेटा इस स्कूल में पढ़ता है। पोर्टनोव को 2021 में मैग्निट्स्की अधिनियम के तहत भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप में संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रतिबंधित कर दिया था।

सिंगापुर की सरकार में भारतवंशियों का दबदबा, पीएम लॉरेंस वोंग ने इन नेताओं को सौंपी जिम्मेदारी

एजेंसी
सिंगापुर। सिंगापुर की सरकार में भारतवंशियों का दबदबा है। देश के नए प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने नए मंत्रिमंडल का एलान किया है। 17 सदस्यीय मंत्रिमंडल में भारतीय मूल के छह नेताओं को जगह दी गई है। इन नेताओं को विदेश, व्यापार, गृह समेत अहम विभागों का जिम्मा सौंपा गया है। देश में तीन मई को हुए आम चुनावों में लॉरेंस वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने भारी जीत हासिल की। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने नए मंत्रिमंडल का एलान किया। इसमें तीन समन्वय मंत्री शामिल हैं। वहीं गान किम योंग को उपप्रधानमंत्री बनाया गया है। मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री कार्यालय और 16 मंत्रालयों में 15 मंत्री और दो कार्यवाहक मंत्री भी शामिल किए गए हैं। प्रधानमंत्री वोंग ने भारतीय मूल के षणमुगम को गृह मंत्री पद पर बरकरार रखा है। वे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समन्वय मंत्री का काम भी देखेंगे। जबकि वे कानून विभाग छोड़ देंगे। षणमुगम अभी तक गृह मंत्रालय के साथ कानून विभाग भी देख रहे थे। इसके अलावा विवियन बालाकृष्णन विदेश मंत्री बने रहेंगे। जबकि इंद्राणी राजा प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्री होंगी। भारतीय मूल के मुरली पिल्लई को वरिष्ठ राज्य मंत्री बनाया गया है। वे कानून और परिवहन विभाग के मंत्री होंगे।

अफगानिस्तान से अमेरिका की 'शर्मनाक वापसी' की समीक्षा करेगा पेंटागन, रक्षा सचिव ने दिया निर्देश

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने पेंटागन को साल 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की 'असफल और शर्मनाक वापसी' की व्यापक समीक्षा शुरू करने का निर्देश दिया है। इस वापसी से अफगानिस्तान में लगभग 20 वर्षों की अमेरिकी सैन्य उपस्थिति समाप्त हो गई थी और इसे तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने अगस्त 2021 में किया था।एक मेमोरेंडम में बताया गया, 26 अगस्त, 2021 को बाइडन प्रशासन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य और दूतावास अधिकारियों की वापसी का नेतृत्व किया, जिसके कारण काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एबे गेट पर एक आत्मघाती बम विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों और 170 नागरिकों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, यह कदम अमेरिकी लोगों और सैनिकों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं, इस वापसी के दौरान हुए हताहतों और उपकरणों के नुकसान को देखते हुए भी उचित है। हेगसेथ ने कहा कि रक्षा विभाग का कर्तव्य है कि वह इस ऑपरेशन की जांच करे, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन का अमेरिकी लोगों और अफगानिस्तान में लड़े सैनिकों के प्रति सच्चाई सामने लाने का दायित्व है। उन्होंने बयान में कहा, तीन साल पहले बाइडन प्रशासन की अफगानिस्तान से असफल और शर्मनाक वापसी के कारण काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती बम विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों और 170 नागरिकों की मौत हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस सैन्य वापसी के लिए

जवाबदेही का वादा किया था और मैं उस वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। अमेरिकी रक्षा सचिव ने पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता और वरिष्ठ सलाहकार सीन पार्नेल को अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य वापसी की विशेष समीक्षा पैनल का नेतृत्व करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा, सीन पार्नेल ने अफगानिस्तान में 485 दिन सेवा की। वह युद्ध में घायल हुए और उनकी प्लाटून के 85 प्रतिशत सदस्य भी घायल हुए और आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में अनगिनत दोस्तों को खो दिया। यह उचित है कि वह बाइडन प्रशासन के दौरान यूएस सेंट्रल कमांड द्वारा की गई एबे गेट जांच की पुनः जांच का नेतृत्व करेंगे। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट कर्नल स्टुअर्ट शेलर एक सम्मानित मरीन अधिकारी हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान से वापसी के बारे में खुलकर बात की और जेरी डनलेवी ने हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की अफगानिस्तान वापसी की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वो भी इस विशेष समीक्षा पैनल में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, सीन और उनकी टीम तथ्यों की जांच करेगी, स्रोतों का विश्लेषण करेगी, गवाहों से साक्षात्कार करेगी, निर्णय लेने की प्रक्रिया का अध्ययन करेगी और उन घटनाओं की समीक्षा करेगी, जिनके कारण अमेरिका के सबसे काले क्षणों में से एक आया। उन्होंने कहा कि सीन और उनकी टीम उचित समय पर अपडेट देगी, ताकि अमेरिकी जनता को हमारी जांच के निष्कर्षों और उससे उत्पन्न होने वाली किसी भी कार्रवाई के बारे में सूचित रखा जाए।

एशिया कप जूडो प्रतियोगिता में कोंडागांव की रंजीता उज्बेकिस्तान में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

जगदलपुर। अंतराष्ट्रीय जूडो महासंघ के द्वारा उज्बेकिस्तान के तस्कंत में उज्बेकिस्तान जूडो संघ द्वारा एशिया कप जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 25 मई तक किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की कुमारी रंजीता कुरेटी 52 किलो वजन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। जिला जूडो संघ बस्तर के सचिव एवं प्रदेश जूडो संघ के संयुक्त सचिव अब्दुल मोईन ने प्रदेश संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी के हवाले से बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई की स्पोर्ट्स ऑफिसर, राष्ट्रीय जूडो चैंपियन, ब्लेक बेल्ट थर्ड डॉन और अंतरराष्ट्रीय निर्णायक किरण राव भी उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने उज्बेकिस्तान रवाना हो रही हैं। रंजीता कुरेटी और किरण राव दोनों आज उज्बेकिस्तान पहुंच जायेंगी। इन दोनों की उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, संयुक्त सचिव अनीस मेमन, अंतरराष्ट्रीय निर्णायक शेख शरीफ, सरजीत सिंह बक्शी, परमजीत सिंह, राजकुमार जायसवाल सहित समस्त जिला संघो के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

प्रधानमंत्री मोदी के 'खेलों की शक्ति' वाले संदेश से मिली प्रेरणा : कोच पुलेनो

दीव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया बीच गेम्स के पहले संस्करण के उद्घाटन पर एक वीडियो संदेश में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति की बात की और कहा कि यह आयोजन भारत के खेल इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। नगालैंड की महिला सेपक टकरा टीम की कोच पुलेनो नेइख्रा पूरी तरह से पीएम मोदी की इस सोच से सहमत हैं। पुलेनो के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में नगालैंड में खेलों का प्रभाव साफ दिखाई देने लगा है और भारत सरकार की यह अनूठी पहल राज्य की लड़कियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने जा रही है। सेपक टकरा नगालैंड का सबसे लोकप्रिय खेल है। इसकी शुरुआत 1995 में शारीरिक शिक्षा अध्यापक होल्से खारियो द्वारा एक मनोरंजन गतिविधि के रूप में की गई थी, जिसे भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने तकनीकी सहायता प्रदान की थी। तब से यह खेल राज्य में लगातार विकसित हुआ है और अब बड़ी संख्या में लड़के और लड़कियां इसमें पंजीकृत हैं। वर्ष 2004 से राज्य सरकार ने दीमापुर में सेपक टकरों के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की। पुलेनो, जो खुद एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी और 2018 एशियन गेम्स में भारतीय टीम की कोच रह चुकी हैं, वर्तमान में इसी अकादमी में लड़कियों को प्रशिक्षित कर रही हैं।

मध्य प्रदेश लीग की शुरुआत 12 जून से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

ग्वालियर। शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) का नया सीजन शुरू होने जा रहा है। पहले इसका आयोजन इंदौर में किया जाना था, लेकिन मौसम की परिस्थितियों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के देर से समापन के कारण इस वर्ष एमपीएल को इंदौर से स्थानांतरित कर ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है। पिछले वर्ष एमपीएल के पहले संस्करण की मेजबानी भी ग्वालियर ने ही की थी, जिससे यह स्थान खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए परिचित है। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित यह लीग मूल रूप से 27 मई से इंदौर में शुरू होने वाली थी, लेकिन आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव के चलते निर्धारित कार्यक्रम से मेल खा रही थी। पिछले सीजन में पुरुषों की प्रतियोगिता में पांच टीमें शामिल थीं, लेकिन इस बार इसमें बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की दो नई टीमों को जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश लीग को लेकर अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा,प्रथम संस्करण के आयोजन के चलते ग्वालियर हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है और हम यहां दोबारा लौटकर बेहद उत्साहित हैं।

हरियाणा और दिल्ली ने मणिपुर को हराकर सेपक टकरा टीम वर्ग का स्वर्ण पदक जीता

दीव। हरियाणा और दिल्ली की महिला और पुरुष वर्ग की ट्रीयो टीम ने वर्षा बाधित फाइनल मुकाबले में पारंपरिक सेपक टकरा की मजबूत मणिपुर को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किये। आज यहां घोघला बीच पर खेले गये दोनों फाइनल में बारिश के कारण एक घंटे का ब्रेक रहा। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने अनुभवी मणिपुर की टीम के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। मणिपुर को भारत में सेपक टकरा का गढ़ माना जाता है। कप्तान 20 वर्षीय मोनिका की अगुवाई में हरियाणा की महिला सेपक टकरा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष सम्मान हासिल किया। मैच के बाद मोनिका ने कहा, टीम के लिए यह जीत हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना मुझे बहुत खुशी है। हमें पता था कि वे मजबूत हैं, लेकिन हमने अपना दबदबा नहीं खोया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय चरखी दादरी, भिवानी और रोहतक जैसे शहरों में की गई कड़ी आउटडोर प्रैक्टिस को दिया। उन्होंने कहा, हम आउटडोर ग्राउंड पर ट्रेनिंग करते हैं, जिससे हमें बीच की सतह के हिसाब से ढलने में मदद मिली। यह मंच हमें काफी बढ़ावा देगा।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25: यूरोप दौरे के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत बने कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह चरण 7 से 22 जून 2025 तक नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है जबकि मिडफील्ड के दमदार खिलाड़ी हार्दिक सिंह उपकप्तान बने रहेंगे। भारतीय टीम अपने यूरोपीय सफर की शुरुआत 7 और 9 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ दो मैचों से करेगी, इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। ये सभी मुकाबले एम्सटेलवीन के वागनर स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एंटवर्प में खेलेगी और अंत में 21 और 22 जून को बेल्जियम से मुकाबला होगा।

टीम में दो गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सुरज करकेरा को चुना गया है। डिफेंस में हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप ज़ेस, जर्मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और यशदीप सिवाच शामिल हैं।मिडफील्ड की जिम्मेदारी राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह जैसे खिलाड़ियों को दी गई है। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे आक्रामक खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। भारत ने इस साल की शुरुआत में भुवनेश्वर में खेले गए होम लेग में आठ मैचों में से पांच जीतकर 15 अंक जुटाए और वर्तमान में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस लीग की टॉप टीम को 2026 एफआईएच वर्ल्ड कप में सीधी एंट्री मिलेगी, ऐसे में भारतीय टीम यूरोपीय लेग में अधिक से अधिक अंक बटोरना चाहेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा, हम इस बार टीम में थोड़ा और अनुभव चाहते थे और मुझे लगता है कि चयन एकदम सही है। टीम ने अच्छी ट्रेनिंग की है और हम इस बार प्रो लीग जीतने के लक्ष्य से जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, अब तक हमने कोई मुकाबला ड्रॉ नहीं किया है, लेकिन आगे हमें कोशिश करनी होगी कि अगर जीत नहीं भी मिली तो कम से कम मुकाबले ड्रॉ करके शूटआउट में जाएं ताकि कुछ अंक मिल सकें। हमें पेनाल्टी कॉर्नर कन्वर्ज़न रेट में भी सुधार करना होगा।

यूपी प्री. स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में ईगल आई अकादमी के निशानेबाजों ने जीते 36 पदक

एजेंसी

प्रयागराज। 25वीं यूपी प्री. स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में ईगल आई शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 स्वर्ण, नौ रजत एवं 11 कांस्य पदक सहित 36 पदक जीते।यह जानकारी अकादमी के राइफल कोच फरीद उद्दीन एवं पिस्टल कोच विजय चंदेल ने दी। उन्होंने बताया कि सदर बाजार स्थित कैंट जूनियर हाईस्कूल में आयोजित इस चैम्पियनशिप में प्रदेश के 56 जिलों से लगभग 1260 निशानेबाजों ने प्रतिभाग किया। जिसमें ईगल आई अकादमी के पदक विजेता निशानेबाजों ने 30वीं राज्य चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई कर लिया।प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सांसद श्याम सिंह यादव, विशिष्ट अतिथि एसीएल सीडीए पेंशन के आशीष यादव, छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी मो. समीर इस्लाम, यूपीएसआरए के महासचिव

जीएस सिंह, उपाध्यक्ष रामेन्द्र शर्मा, छावनी परिषद के सदस्य विनोद कुमार वाल्मिकी, मोहम्मद दानिश ने विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र वितरित किया।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम घोषित

आयुष म्हात्रे कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर क्रिकेट समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें भारत की युवा टीम एक महीने तक इंग्लैंड की धरती पर अपना दमखम दिखाएगी। दौरे में एक 50 ओवर का वॉर्म-अप मैच, पांच युवा वनडे और दो मल्टी-डे मुकाबले खेले जाएंगे।

आयुष म्हात्रे को सौंपी गई कप्तानी

टीम की कमान आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है, जबकि अभिज्ञान कुंडू को उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी दी गई है। वैभव सूर्यवंशी को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जो हाल के घरेलू प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं की नजर में आए।

जूनियर खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका

यह इंग्लैंड दौरा युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साबित करने का सुनहरा मौका होगा। खासकर कप्तान आयुष म्हात्रे और उपकप्तान अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी।

ये खिलाड़ी करेंगे इंग्लैंड में

भारत का प्रतिनिधित्व

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेनिल पटेल, युद्धाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अंमोलजीत सिंह।

स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची: नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी और आलंक्रित रापोले (विकेटकीपर) को स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में रखा गया है।

रोरी मैक्लरॉय पहली बार भारत में खेलेंगे, डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में करेंगे शिरकत

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोरी मैक्लरॉय अक्टूबर में दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाले 4 मिलियन डॉलर इनामी डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होगा। रोरी मैक्लरॉय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं हमेशा वैश्विक टूर्नामेंट खेलने का आनंद लेता हूं।

भारत में गोल्फ को आगे बढ़ाने की जबरदस्त संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है और मैं भारतीय गोल्फ प्रशंसकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित हूं। डीपी वर्ल्ड के मुख्य वित्तीय अधिकारी युवराज नारायण ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हम दिल्ली को वैश्विक खेल मंच पर प्रदर्शित कर रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने के लिए एक मंच बना रहे हैं। रोरी मैक्लरॉय की भागीदारी से न सिर्फ वैश्विक ध्यान आकर्षित होगा, बल्कि भारत को एक प्रमुख गोल्फ गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

मैक्लरॉय ने इस साल अप्रैल में

प्रतिष्ठित ग्रीन जैकेट जीतकर अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इससे पहले वे 2011 में यूएस ओपन, 2012 और 2014 में यूएस पीजीए चैंपियनशिप और 2014 में द ओपन खिताब अपने नाम कर चुके हैं। डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप 2025 रेस टू दुबई के दूसरे चरण की नौ में से आठवीं प्रतियोगिता होगी। इस चरण के बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे और अंत में नवंबर में दुबई के जुमेराह गोल्फ एस्टेट्स में डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप का आयोजन होगा।

मुंबई ने दिल्ली को 59 रन से हराया, आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनी

एजेंसी

वानखेड़े। आईपीएल 2025 के 63वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ मुंबई आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई। इससे पहले गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था। इस मैच में सूर्यकुमार यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने सूर्यकुमार यादव की अर्धशतकीय पारी के दम पर पांच विकेट खोकर 180 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 18.2 ओवर में सिर्फ 121 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। उनके लिए समीर रिजवी ने सर्वाधिक 39 रनों की पारी खेली। इसके अलावा सिर्फ तीन बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू पाए। इनमें केएल राहुल (11), विप्रज निगम (20) और आशुतोष शर्मा (18) शामिल हैं। मुंबई के खिलाफ मैच में टीम के नियमित कप्तान अक्षर पटेल तबीयत खराब होने की वजह से नहीं खेलने उतरे। उनकी जगह फाफ डुप्लेसिस ने दिल्ली का नेतृत्व किया। वह सिर्फ छह रन बना पाए। इसके अलावा अभिषेक पोरेल ने छह, ट्रिस्टन स्टब्स ने दो, माधव तिवारी ने तीन, कुलदीप यादव ने सात रन बनाए। वहीं, मुस्तफिजुर रहमान खाता भी नहीं खोल पाए जबकि दुष्मंथा चमीरा आठ रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, विल जैक्स और कर्ण शर्मा ने एक-एक सफलता अपने नाम की। इससे पहले, मुंबई की शुरुआत खराब हुई थी। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सिर्फ पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विल जैक्स और रेयान रिकेल्टन ने मोर्चा संभालने की कोशिश की, लेकिन जैक्स 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए जबकि रिकेल्टन 25 रन बना पाए। तिलक वर्मा ने 27 और हार्दिक पांड्या ने तीन रन बनाए। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने 43 गेंदों में सात चौके और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से 73 रनों की नाबाद पारी खेली।

इसके अलावा नमन धीर ने आठ गेंदों में दो चौके और इतने ही छक्के की मदद से 24 रन बनाए और नाबाद रहे। आखिरी 12 गेंदों में सूर्यकुमार यादव और नमन धीर ने 48 रन झटके। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए, जबकि दुष्मंथा चमीरा, मुस्तफिजुर रहमान और कुलदीप यादव को एक-एक सफलता मिली।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: हरियाणा और दिल्ली ने मणिपुर को हराकर सेपक टकरा टीम वर्ग का जीता स्वर्ण

एजेंसी

दीव। हरियाणा और दिल्ली ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में क्रमशः महिला और पुरुष ट्रीयो टीम फाइनल में पारंपरिक सेपक टकरा की ताकतवर मणिपुर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने अनुभवी मणिपुर की टीम के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। मणिपुर को भारत में सेपक टकरा का गढ़ माना जाता है। कप्तान 20 वर्षीय मोनिका की अगुवाई में हरियाणा की महिला सेपक टकरा टीम ने शीर्ष सम्मान हासिल करने के लिए उत्साह और युवा जोश से भरपूर प्रदर्शन किया। मैच के बाद मोनिका ने कहा, टीम के लिए यह जीत हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना मुझे बहुत खुशी है। हमें पता था कि वे मजबूत हैं, लेकिन हमने अपना दबदबा नहीं खोया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय चरखी दादरी, भिवानी और रोहतक जैसे शहरों में की गई कड़ी आउटडोर प्रैक्टिस को दिया। उन्होंने कहा, हम आउटडोर ग्राउंड पर ट्रेनिंग करते हैं, जिससे हमें बीच की सतह के हिसाब से ढलने में मदद मिली। यह प्लेटफॉर्म हमें काफी बढ़ावा देगा। पुरुष वर्ग में दिल्ली ने रोमांचक फाइनल में मणिपुर को 2-1 से हराया। दिल्ली टीम के कप्तान 35 वर्षीय संदीप कुमार ने बताया कि अचानक परिस्थितियों में आए बदलाव ने कैसे अहम भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी के किनारे मजनू का टीला के पास टीम के साथ अभ्यास करने वाले संदीप ने कहा, बारिश से पहले हम पहला रेगुलेशन हार गए थे, लेकिन मौसम हमारे पक्ष में हो गया।

सऊदी प्रो लीग 2024-25: रोनाल्डो और ड्यूरान के गोल से अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग 2024-25 में खेले गए मुकाबले में अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम 33 मैचों में 67 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। अल नासर के लिए यह गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉन ड्यूरान ने किए।

पहले हाफ में अल नासर ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन अंतिम क्षणों में फिनिशिंग की कमी के चलते स्कोर खाता नहीं खुल सका। रोनाल्डो को दो बार गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को जाल में नहीं पहुंचा सके। कोच स्टेफानो पियोली की टीम आक्रमण में थोड़ी धीमी नजर आई।

दूसरे हाफ में बदला खेल का रुख: दूसरे हाफ में अल नासर ने पूरी आक्रामकता के साथ शुरुआत की। 47वें मिनट में रोनाल्डो को

कटबैक पर गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। इसके बाद 63वें मिनट में अल नासर को पेनल्टी मिली, लेकिन रोनाल्डो ने वह मौका भी चूक दिया।

ड्यूरान ने दिलाई बढ़त

लगातार मौके गंवाने के बाद आखिरकार 75वें मिनट में जॉन ड्यूरान ने सादियो माने के क्रॉस पर बेहतरीन हेडर के जरिए गोल कर अल नासर को 1-0 की बढ़त दिला दी।

स्टॉपेज टाइम में रोनाल्डो ने खोला खाता: मैच के अंतिम क्षणों में ऐसा लग रहा था कि रोनाल्डो बिना गोल किए ही मैच समाप्त करेंगे, लेकिन स्टॉपेज टाइम में उन्हें एक और पेनल्टी मिली जब खलीज के गोलकीपर ओजैबी राएद ने उन्हें बॉक्स में गिरा दिया। वीएआर पुष्टि के बाद रोनाल्डो ने इस बार कोई गलती नहीं की और पेनल्टी को गोल में बदलकर अल नासर को 2-0 से जीत दिला दी। यह जीत अल नासर के लिए सीजन के अंतिम चरण में मनोबल बढ़ाने वाली रही, जबकि रोनाल्डो ने भी आखिरकार गोल के साथ मैच खत्म किया।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को 124 रनों से हराया

डबलिन। एंडी बैलबर्नी (112) की शतकीय , कप्तान पॉल स्टर्लिंग (54) और हैरी टेक्टर (56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद बैरी मक्कार्थी (चार विकेट) और जॉर्ज डॉकरेल (तीन) विकेट के शानदार प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 34.1 ओवर में 179 रन पर ढ़ेर कर मैच को 124 रनों से जीत लिया। आयरलैंड की वेस्टइंडीज पर यह जीत एक बड़ी उपलब्धि है। 304 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 9.4 ओवर में 31 रन पर अपने पांच विकेट गवां दिये। आलम यह था कि आयरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज नौसिखए की तरह एक-एक कर पवेलियन लौटते चले गये। वेस्टइंडीज का पहला विकेट एविन लुइस (दो) रनआउट के रूप में गिरा।

हांसी फ्लिक ने बढ़ाया बार्सिलोना के साथ करार, 2027 तक बने रहेंगे कोच

एजेंसी

बार्सिलोना। स्पेनिश फुटबॉल क्लब एफसी बार्सिलोना ने अपने कोच हांसी फ्लिक के साथ करार को जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। जर्मन कोच हांसी फ्लिक ने बार्सिलोना के साथ अपने पहले ही सीजन में ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जीतकर घरेलू ट्रेबल हासिल किया। उनके इस प्रदर्शन ने प्रशंसकों और क्लब प्रबंधन दोनों को प्रभावित किया है।

फ्लिक ने जावी हर्नांडेज़ की जगह बार्सिलोना की कमान संभाली थी, जब टीम पिछले सीजन एक भी ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही थी। शुरुआती करार 2026 तक का था, जिसे अब एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। फ्लिक की कोचिंग में बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां टीम को इंटर मिलान से कड़े मुकाबले में हार मिली। ला लीगा में बार्सिलोना अब तक 37 मैचों में 99 गोल कर चुका है और खिताब पहले ही अपने नाम कर चुका है। टीम रविवार को सीजन का अंतिम मुकाबला एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ खेलेगी। बार्सिलोना के बयान में कहा गया ,बार्सिलोना और हांसी फ्लिक के बीच करार का नवीनीकरण हो गया है, जो अब उन्हें 30 जून 2027 तक क्लब से जोड़े

रखेगा। फ्लिक की यह सफलता बार्सिलोना के लिए एक नई उम्मीद और स्थिरता का संकेत है, जो आने वाले सीजनों में यूरोपीय फुटबॉल पर दबदबा कायम करने की ओर इशारा करती है।

यूरोपा लीग 2024-25: टोटनहैम हॉटस्पर ने 17 साल बाद जीता खिताब, चैंपियंस लीग में भी मिली जगह

एजेंसी

बिलबाओ। टोटनहैम हॉटस्पर ने रात यूरोपा लीग 2024-25 के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराकर 17 साल के खिताबी सूखे को समाप्त कर दिया। ब्रेनेन जॉनसन के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत टोटनहैम ने यह मुकाबला जीता और साथ ही अगले सीजन की चैंपियंस लीग में भी अपनी जगह पक्की कर ली। यह टोटनहैम का 2008 लीग कप के बाद पहला खिताब है और 1984 के बाद पहली यूरोपीय ट्रॉफी। खास बात यह रही कि इस सीजन में टोटनहैम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को चार बार हराया है और यह इतिहास में पहली बार हुआ जब उसने एक ही सीजन में यूनाइटेड के खिलाफ चारों मुकाबले जीते हों।

जॉनसन का गोल बना निर्णायक, डिफेंस में चूक से मिला मौका

42वें मिनट में टोटनहैम को वह मौका मिला जिसने मुकाबले की दिशा तय कर दी। पेपे सार के क्रॉस पर यूनाइटेड का डिफेंस बिखर गया, वहीं गोलकीपर आंद्रे ओनाना गोललाइन पर जमे रह गए। जॉनसन और ल्यूक शॉ दोनों गेंद तक पहुंचे और गेंद दोनों से लगकर नेट में चली गई।

यूनाइटेड को बराबरी का मौका नहीं मिला, वैन डी वेन की शानदार क्लियरेंस

दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड के पास बराबरी का शानदार मौका था, जब रस्मुस होयलुंड का हेडर गोल की ओर जा रहा था, लेकिन मिकी वैन डी वेन ने लाइन पर शानदार क्लियरेंस कर दी। अंतिम क्षणों में भी ल्यूक शॉ का हेडर गोलकीपर विकारियो ने डाइव लगाकर बचा लिया।

जॉनसन बोले - 17 साल का इंतजार खत्म, अब कोई शिकायत नहीं

मैच के बाद ब्रेनेन जॉनसन ने कहा, इस सीजन में कुछ खास नहीं रहा, लेकिन आज कोई फर्क नहीं पड़ता। क्लब ने 17 साल से कोई ट्रॉफी नहीं जीती थी। यह जीत बहुत

मायने रखती है। फैन्स हमें और टीम को ताने देते हैं, लेकिन हमें यह पहला कदम लेना था। बहुत खुश हूं।

कोच पोस्टेकोग्लू को मिली राहत, क्लब के भविष्य पर टिकी निगाहें: इस जीत के साथ ही टोटनहैम के कोच एंज पोस्टेकोग्लू के लिए यह एक बड़ी राहत लेकर आई है। खराब प्रीमियर लीग सीजन के बावजूद यह जीत उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद कर सकती है। लीग में 21 हार झेल चुकी टीम के लिए यह खिताब उम्मीद की नई किरण साबित हुआ है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए निराशाजनक सीजन, यूरोपीय फुटबॉल से बाहर होने का खतरा

दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए यह हार इस सीजन की गहरी निराशा का हिस्सा बन गई है। प्रीमियर लीग में भी टीम 16वें स्थान पर है और अब अगले सीजन में यूरोपीय फुटबॉल से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। कोच रूबेन अमोरिम के सामने टीम को फिर से खड़ा करने की बड़ी चुनौती होगी।

टोटनहैम की ऐतिहासिक जीत, 41 साल बाद यूरोप में चखा जीत का स्वाद: बिलबाओ की गर्म रात में जब टोटनहैम के खिलाड़ी और फैंस जश्न मना रहे थे, तो यह सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि 41 साल की यूरोपीय प्रतीक्षा का अंत था। क्लब और उसके समर्थकों के लिए यह जीत एक नई शुरुआत की तरह है।

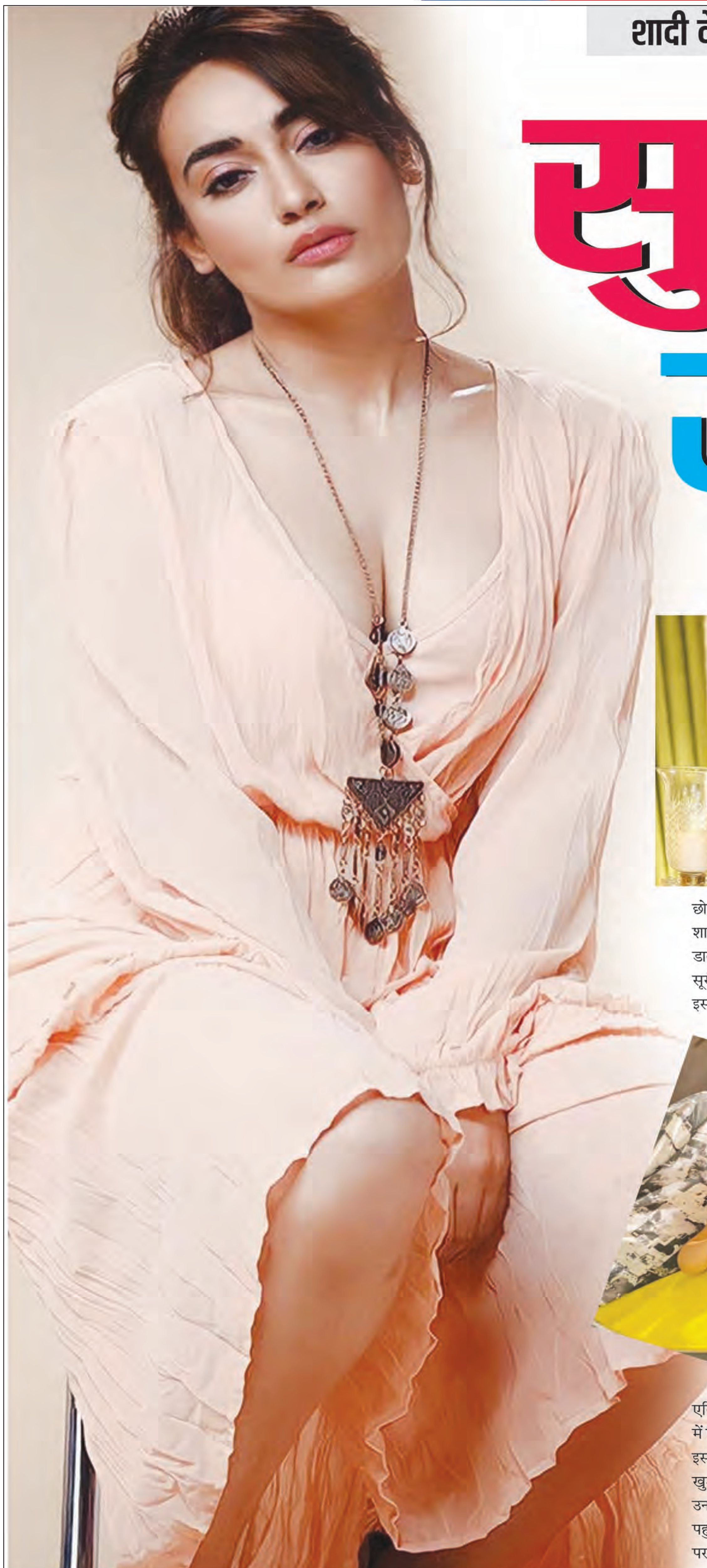

शादी के 6 महीने बाद 'नागिन' एक्ट्रेस

सुरभि ज्योति

ने खोला बड़ा राज, बताई पति से 'अलग' रहने की वजह

छोटे पर्दे की मशहूर 'नागिन' और 'कुबूल है' फेम एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने उनके फैन्स को सकते में डाल दिया है. शादी के महज़ 6 महीने बाद ही सुरभि ने बताया है कि वो अपने पति सुमित सूरी से 'अलग' रह रही हैं. ये खबर सुनकर हर कोई हैरान है. उन्हें लग रहा है कि आखिर इस कपल के बीच क्या खटपट चल रही है? लेकिन सुरभि ने अलग रहने के पीछे जो वजह बताई है, वो और भी ज़्यादा चौंकाने वाली है.सुरभि ज्योति ने हाल ही एक मीडिया पोर्टल से की बातचीत में खुलासा किया कि वो और सुमित सूरी एक ही घर में रहते हुए भी 'अलग-अलग' रह रहे हैं. ये सुनकर हर कोई अटकलें लगाने लगा था कि क्या उनके रिश्ते में कोई दरार आ गई है, लेकिन सुरभि ने इन सारी अटकलों पर विराम लगाते हुए पूरी बात साफ की. उन्होंने बताया कि दरअसल, ये सब उनके नए शो के लिए किया जा रहा है.

रियल लाइफ में खुशहाल है रिश्ता

जी हां, सुरभि ज्योति और सुमित सूरी जल्द ही एक नए शो में नज़र आने वाले हैं, जिसका नाम है 'एक ही घर से'. इस शो में वे दोनों पति-पत्नी की भूमिका निभा रहे हैं और इस शो की कहानी ही 'एक ही घर में अलग-अलग रहने' के कॉन्सेप्ट पर आधारित है. सुरभि ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा कि वे इस शो में इतनी अच्छी एक्टिंग कर रहे हैं कि लोगों को सच में लगने लगा कि उनकी शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें आ गई हैं.

इस दौरान सुरभि ज्योति ने साफ किया कि असल जिंदगी में वह और सुमित सूरी बेहद खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं. उनके बीच कोई खटपट या झगड़ा नहीं है. ये सिर्फ उनके नए प्रोजेक्ट का एक हिस्सा है, जिसके जरिए वे दर्शकों तक एक अनोखी कहानी पहुंचाना चाहते हैं. उन्होंने अपने फैन्स से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और उनके रिश्ते को लेकर चिंता न करें.

आम के बगीचे में इठला रही थीं भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी, पवन सिंह से रहा नहीं गया, बोले- मेरी प्यारी...

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'हम हई जेठानी' की शूटिंग में बिजी हैं. लेकिन फिल्म के शूट के बीच में जब भी उन्हें मौका मिलता है तो उनकी मस्ती शुरू हो जाती है. ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें आम के बगीचे में एक्ट्रेस इठलाती नजर आई.रानी चटर्जी भोजपुरी सिनेमा की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और उनके लाखों फोलवोर्स उनके वीडियो या किसी भी पोस्ट को पसंद करते हैं. इस बार उन्होंने आम के बगीचे से एक वीडियो शेयर किया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं.

आम के बगीचे में रानी चटर्जी ने बनाया वीडियो

रानी चटर्जी ने एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था. इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'कहे मुझे ओरी ओरी सुन तो जरा.' इसके साथ उन्होंने प्यारी चुनमुन नाम को हैशटैग भी दिया, जो बैकग्राउंड में बनने वाले गाने के बोल हैं. ये गाना सुपरहिट फिल्म विरासत का है, जिसे अनिल कपूर और तब्बू पर फिल्माया गया था.

वीडियो में आप देख सकते हैं कि आम के बगीचे में रानी चटर्जी तेज हवा के साथ डांस करती दिख रहीं. वो इस गाने के बोल पर मूव्स कर रही हैं और वो इस समय को काफी एन्जॉय भी कर रही हैं. रानी चटर्जी के इस वीडियो पर फैंस ने कमेंट बॉक्स में जमकर हार्ट इमोजी शेयर की है.वहीं इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में सुपरस्टार पवन सिंह ने लिखा, 'मेरी प्यारी दोस्त' और एक्ट्रेस रिंकू घोष ने लिखा, 'हवा बस अहसास बढ़ा रही है और आप बहुत सुंदर लग रही हैं.' इस तरह से दूसरे फैंस भी रानी चटर्जी की तारीफ में कुछ न कुछ कमेंट में लिख रहे हैं, जो बताता है कि रानी भोजपुरी इंडस्ट्री में कितनी फेमस हैं और लोग उनके काम को पसंद करते हैं.

रानी चटर्जी की आने वाली फिल्म

लगभग 5 दिन पहले एक्टर अयाज खान ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें वो रानी चटर्जी के साथ क्लैप बोर्ड हाथ में लिए नजर आए थे. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'मैंने और रानी जी बहुत सी फिल्में साथ में की हैं, लेकिन पहली बार मैं उनका हीरो बना हूं, कुछ अलग देखने को मिलेगा आप सबको,रानी जी की जितनी तारीफ करूं कम है.'

'नल्ले डॉन' को जब सलमान खान ने कुत्ता बनाने की दी धमकी, मच गया था तहलका... इस बात पर आग बबूला हो गए थे भाईजान

बॉलीवुड स्टार सलमान खान साल 2010 से बिग बॉस होस्ट करते आ रहे हैं और आज भी वो ही इसे होस्ट करते हैं. इस शो में वीकेंड का वार में जब सलमान खान की क्लास लेने आते हैं तो उनके गुस्से का शिकार कई कंटेस्टेंट्स हो चुके हैं. जिस वाक्ये की बात हम करने जा रहे हैं वो 'बिग बॉस 11' का है और उस सीजन में सलमान के गुस्से का शिकार जुबैर खान हुए थे.'बिग बॉस 11' में जुबैर खान ने दूसरे कंटेस्टेंट अर्शी खान के साथ बदतमीजी कर दी थी जिसपर सलमान काफी गुस्सा हुए थे और उन्होंने गुस्से में जुबैर को बहुत कुछ कह दिया था. आइए आपको उस एपिसोड के बारे में बताते हैं.

सलमान खान ने किया था जुबैर खान पर गुस्सा

'बिग बॉस 11' में जुबैर खान ने दूसरी कंटेस्टेंट अर्शी खान के साथ गलत व्यवहार कर दिया था. महिलाओं के साथ उनका जो रवैया था उसपर सलमान खान भड़क गए थे. उन्होंने गुस्से में कुत्ता बनाने की भी धमकी दे दी थी. सलमान का वैसा गुस्सा सालों बाद देखा गया था और अभी तक उन्हें वैसा गुस्सा नहीं आया लेकिन उस बात पर बाद में जुबैर को माफी मांगनी पड़ी थी. वीकेंड का वार में सलमान खान सभी कंटेस्टेंट के सामने जुबैर खान के ऊपर भड़के थे.

उन्होंने कहा था, 'आ रहा हूं, बेटे मैं तेरे पास ही आ रहा हूं. कसम खुदा की तेरे को कुत्ता नहीं बना दिया तो मेरा नाम सलमान खान नहीं.' सलमान के गुस्सा करने के बाद जुबैर ने अपने गलत बिहेवियर के लिए माफी मांगी थी. जिसके बाद सलमान ने कहा था, 'भाई, नल्ले डॉन, दिखाता हूं तेरे को मैं अब क्या करता हूं. चुप बैठ और बैठ वहां पर, आ रहा हूं तेरे पास'इसके आगे सलमान ने जुबैर को उनका बयान याद दिलाते हुए कहा था, 'टू रूपीज की औरत? तू क्या है बे? मैं अपनी औकात पे आऊंजा तो बता दूंगा कि तुम्हारी औकात क्या है.' उस दिन सलमान खान का गुस्सा पहली बार ऐसा देखा गया था और सभी कंटेस्टेंट्स डर भी गए थे.

कौन हैं जुबैर खान?

37 साल के जुबैर खान डायरेक्टर-प्रोड्यूसर हैं जिन्होंने दो फिल्में बनाई जो फ्लॉप रहीं. वहीं जुबैर फिल्मों से ज्यादा कॉन्ट्रोवर्सी में ज्यादा रहे लेकिन ये सबसे ज्यादा चर्चा में तब आए जब 'बिग बॉस 11' में इनकी एंट्री हुई. वीकेंड का वार में अक्सर इनकी क्लास सलमान खान लगाते थे लेकिन एक बार जब उन्होंने जुबैर को जमकर क्लास लगाई थी उसके बाद इनकी चर्चा हर तरफ हुई और सोशल मीडिया पर भी इन्हें ट्रोल कर दिया गया था.

वो चूहे जितना बड़ा था...

अनन्या पांडे

का भाई वक्त से 42 दिन पहले पैदा हुआ, मां ने खोला राज़

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर चर्चा में रहती हैं. हालांकि, इन दिनों उनके चचेरे भाई अहान पांडे को लेकर भी काफी खबर सामने आ रही हैं. दरअसल, जल्द ही अहान वाईआरएफ की फिल्म सैयारा से अपने करियर की शुरुआत करने वाले हैं. इसी बीच अहान की मां जिएन और बहन अलाना पांडे ने लोगों के बीच अहान के पैदाइश के वक्त होने वाली परेशानियों के बारे में खुलासा किया है. उन्होंने बताया है कि अहान पैदा होने के तुरंत बाद एनआईसीयू में ले जाया गया था.

अहाना चंकी पांडे के भतीजे हैं, वो चिक्की पांडे और डीन पांडे के बेटे हैं. हाल ही में अलाना और उनकी मां ने एक व्लॉग के जरिए अहाना की कहानी सबसे शेयर की है. उन्होंने बताया कि अहान प्रीमेच्योर बच्चा था, जो कि जन्म की तारीख से 42 दिन पहले ही पैदा हो गया था. उनकी मां ने उस वक्त को याद करते हुए कहा, अहान इतना छोटा सा था कि वो एक चूहे की तरह लग रहा था. जन्म के बाद अहान को थर्माकोल के बॉक्स में रखा गया था.

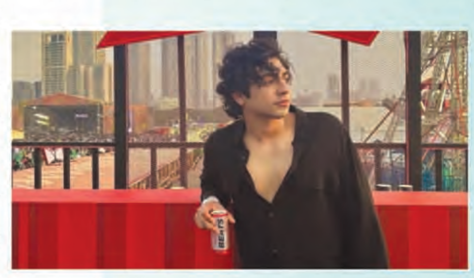

42 दिन पहले हुआ जन्म

अहान के बारे में शेयर करते हुए उनकी मां ने बताया कि 42 दिन पहले ही उनको अस्पताल में भर्ती करना पड़ गया था. जन्म की तारीख पूरी होने से पहले ही वॉटर ब्रोक हो जाने की वजह से उनका पूरा परिवार काफी परेशान हो गया था. डिएन ने शेयर करते हुए बताया कि अस्पताल पहुंचते ही उनका इमरजेंसी सी-सेक्शन डिलीवरी करनी पड़ी, क्योंकि अहान की हालत काफी खराब हो चुकी थी. डॉक्टर ने बताया था कि वह अपने हेयरलाइन फैक्चर के साथ पैदा हुआ है.

एनआईसीयू में ट्रांसफर

डिएन ने बताया कि डिलीवरी के बाद डॉक्टर अहान को तुरंत उनके पास से लेकर चले गए और उसे एनआईसीयू में ट्रांसफर कर दिया गया. उस वक्त की स्थिति को बताते हुए कहा, उसे कपड़े में लपेटा गया, उस बॉक्स में रखा गया. मुझे कुछ समय के लिए उससे दूर रखा गया, लेकिन मैंने दर्द में होने के बावजूद डॉक्टरों से अहान के पास ले जाने की भीख मांगी.

अहान पांडे वाईआरएफ की फिल्म 'सैयारा' से अपने करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. ये फिल्म 18 जुलाई, 2025 को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होने वाली है.

एक्शन टेसा द्वारा कॉन्ट्रैक्टर मीटिंग का सफल आयोजन

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के गीता कॉलोनी चौक स्थित गोबिंद बैंक्वेट हॉल में Action Tesa कंपनी द्वारा एक विशेष Contractor Meeting का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कंपनी और ठेकेदारों के बीच समन्वय को मजबूत बनाना, नवीनतम उत्पादों व तकनीकी पहलुओं की जानकारी साझा करना तथा उद्योग से जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ठेकेदारों, व्यापारियों और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान निशांत राघव ने बताया कि इस तरह की बैठकें व्यापारिक रिश्तों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पूरे उद्योग को एक नई दिशा देने का कार्य करती हैं। बैठक के दौरान ठेकेदारों को कंपनी के नवीनतम प्रोडक्ट्स, तकनीकों और कार्य क्षेत्र में आने वाले बदलावों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल और आपसी सहयोग की भावना के साथ हुआ, जिससे सभी प्रतिभागियों ने लाभान्वित होने की बात कही।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान द्वारा लिखित पुस्तक रेडी, रिलेवेंट एंड रिसर्जेंटः ए ब्लूप्रिंट फॉर द ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ इंडियाज मिलिट्री का विमोचन किया।

ॐ फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा "सफलता की उड़ान" सेवा बस्ती विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन

दिव्य दिल्लीः ॐ फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा "सफलता की उड़ान" सेवा बस्ती विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन गुरुद्वारा नारायण के सिंह सभागार में भव्य रूप से किया गया। इस अवसर पर सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 में 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।ङ्क कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पटियाला हाउस कोर्ट के मजिस्ट्रेट श्री राहुल कुमार, दिल्ली कैंट के एसीपी श्री इंद्राज सिंह मीणा तथा फॉर्टिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम के ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. स्वरूप मित्रा उपस्थित रहीं। अतिथियों ने बच्चों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।ङ्क इस दौरान ॐ फाउंडेशन की संस्थापक रश्मि मल्होत्रा ने हमारे संवाददाता से बात करते हुए कहा, "हमारा मकसद सिर्फ पुरस्कार देना नहीं है, बल्कि इन बच्चों को यह महसूस कराना है कि वे समाज के लिए प्रेरणा हैं। सेवा बस्ती जैसे क्षेत्रों से निकलकर ये छात्र जब ऐसे शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है।"ङ्क कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने बच्चों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पीएम ने देश के सम्मान से समझौता किया: राहुल गांधी

राहुल ने पूछे सवाल: मोदी जी, खोखले भाषण देना बंद कीजिए

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर राहुल गांधी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के सम्मान से समझौता कर लिया है। अब खोखले भाषण देना बंद कर दीजिए।

मोदी जी, खोखले भाषण देना बंद कीजिए।

सिर्फ इतना बताइए:

1. आतंकवाद पर आपने पाकिस्तान की बात पर भरोसा क्यों किया?

2. ट्रंप के सामने झुककर आपने भारत के हितों की कुर्बानी क्यों दी?

3. आपका खून सिर्फ कैमरों के सामने ही क्यों गरम होता है?

एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि मोदी जी, खोखले भाषण देना बंद कीजिए। सिर्फ इतना बताइए कि आतंकवाद पर आपने पाकिस्तान की बात पर भरोसा क्यों किया? ट्रंप के सामने झुककर आपने भारत के हितों की कुबार्नी क्यों दी? आपका खून सिर्फ कैमरों के सामने ही क्यों गरम होता है? आपने भारत के सम्मान से समझौता कर लिया!

राहुल गांधी ने डीयू में छात्रों से किया संवाद

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों से संवाद किया। इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के अध्यक्ष रोनक खत्री भी मौजूद रहे। दिल्ली कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिख, राहुल गांधी ने डॉ. भीम राव आंबेडकर के विचार "शिक्षित बनो, संघर्ष करो, संगठित रहो को याद दिलाते हुए छात्रों को न्यायसंगत और समावेशी शैक्षणिक व्यवस्था के निर्माण की दिशा में प्रयास करने का आह्वान किया। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्रतिनिधित्व की कमी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दे उनके संज्ञान में लाए।

डूसू अध्यक्ष रौनक खत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि आज दिल्ली विश्वविद्यालय में राहुल गांधी ने छात्रों के साथ संवाद किया।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों और विभागों के छात्रों ने भाग लिया। संवाद के दौरान राहुल गांधी ने छात्र समुदाय के साथ गहन बातचीत की, उनकी चिंताओं को सुना और शैक्षणिक क्षेत्रों में लोकतांत्रिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व के महत्व पर प्रकाश डाला। रौनक खत्री कहा कि डूसू सभी छात्रों के अधिकारों के लिए लड़ने, इस प्रतिष्ठित संस्थान के प्रत्येक छात्र के लिए समान प्रतिनिधित्व, शैक्षणिक न्याय और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने वक्फ संशोधन कानून पर तीन दिनों की मैराथन सुनवाई के बाद गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वक्फ संशोधन कानून में वक्फ करने के लिए 5 साल प्रैक्टिसिंग मुस्लिम के प्रावधान पर दलील रखी। कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर वकील कपिल सिब्बल ने आपत्ति जताई कि किसी भी हिंदू धर्मस्थान की बंदोबस्ती में एक भी व्यक्ति गैर हिंदू नहीं है। अगर आप अन्य धार्मिक समुदाय को विशेषाधिकार दे रहे हैं, तो यहां क्यों नहीं। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वक्फ संशोधन कानून में वक्फ करने के लिए 5 साल प्रैक्टिसिंग मुस्लिम के प्रावधान पर दलील रखते हुए कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ में शादी, तलाक, वसीयत आदि के लिए खुद को मुस्लिम साबित करना होता है। इस कानून में अंतर बस इतना है कि इसमें कम से कम पांच साल की समय सीमा तय की गई है। वक्फ करने के लिए 5 साल से इस्लाम प्रैक्टिस करने की शर्त रखी गई है। मेहता ने आदिवासी इलाकों में बढ़ते वक्फ सम्पत्तियों को लेकर कहा कि अगर कोई आम आदमी आदिवासी इलाके में जमीन खरीदना चाहता है तो ऐसा नहीं कर सकता है, क्योंकि राज्य का कानून इसकी इजाजत नहीं देता। लेकिन अगर वही व्यक्ति वक्फ करना चाहे तो वक्फ करने के बाद उसका संरक्षण करने वाला जो चाहे कर सकता है। यह व्यवस्था बहुत खतरनाक है जिसपर रोक लगाए जाने की जरूरत है। मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट अपने एक फैसले में कह चुका है कि संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत वक्फ अपने आप में राज्य है। ऐसे में यह दलील नहीं दी जा सकती कि इसमें किसी एक सम्प्रदाय के लोग शामिल होंगे। वक्फ संशोधन कानून के समर्थन में राजस्थान सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि वक्फ बाय यूजर इस्लाम का मुख्य अंग नहीं है।इससे पहले 21 मई को सुनवाई के दौरान तुषार मेहता ने कहा था कि वक्फ एक इस्लामिक अवधारणा है, इस पर कोई विवाद नहीं है, लेकिन वक्फ इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। मेहता ने कहा था कि हमने वक्फ को लेकर 2023 में कुछ कमियों को नोटिस किया था।

गाजा में 9,000 से अधिक बच्चे कुपोषण का शिकार, यूनिसेफ ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र
यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि गाजा में इस वर्ष अब तक 9,000 से अधिक बच्चों का कुपोषण के कारण इलाज किया जा चुका है, और अगर हालात नहीं सुधरे, तो आने वाले महीनों में दसियों हजार नए मामले सामने आ सकते हैं। यूनिसेफ का कहना है कि क्षेत्र में युद्ध और हिंसा के कारण खराब स्वास्थ्य सेवा और खाद्य असुरक्षा की वजह से बच्चे और भी अधिक संकट में हैं। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर इजराइल अपना सैन्य अभियान जारी रखता है और गाजा पर लगा प्रतिबंध पूरी तरह नहीं हटाता है तो क्षेत्र गंभीर अकाल की स्थिति में प्रवेश कर सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबस्यूएचओ) पहले ही कह चुका है कि "लोग भूख से मरने की कगार पर नहीं, बल्कि वास्तव में मर रहे हैं।" संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के फिलिस्तीनी क्षेत्रों के प्रतिनिधि नेस्टर ओवोमुहांगी के अनुसार, "जहां भी देखो, लोग भूखे हैं वे अपनी उंगलियों से मुंह की ओर इशारा करते हैं, यह जताने के लिए कि उन्हें खाने के लिए कुछ चाहिए। गाजा में 'सबसे बुरा' पहले ही शुरू हो चुका है।" यूनिसेफ की प्रवक्ता टेस इंग्राम ने कहा है कि कई बच्चे पहले ही कुपोषण के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं। गाजा में इस समय ऐसे कई नवजात हैं जो गंभीर खतरे में हैं। अगर उन्हें शीघ्र पोषण सहायता नहीं मिली, तो उनके लिए हालात और भी घातक हो सकते हैं। यूनिसेफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाने, खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने और बच्चों के लिए विशेष पोषण कार्यक्रम शुरू करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि यह केवल एक स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि मानवता की परीक्षा का समय है।

यूएई में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने किया नेतृत्व और मीडिया से संवाद

नई दिल्ली
भारत के कूटनीतिक संवाद के तहत शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में वहां के नेतृत्व और मीडिया से संवाद किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की महत्ता पर प्रकाश डाला और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत नीति को स्पष्ट किया। प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को अबूधाबी पहुंचा। यूएई प्रतिनिधिमंडल के चार देशों की यात्रा का पहला पड़ाव रहा। यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसके अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने यूएई के नेतृत्व और मीडिया के साथ मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शिंदे के अलावा सांसद बांसुरी स्वराज, मोहम्मद बशीर, अतुल गर्ग, सस्मित पात्र, मनन कुमार मिश्रा, सुरेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया और पूर्व राजदूत सुजन चिनॉय शामिल हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री शेख नहयान मबारक अल नहयान से मुलाकात की। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर गहरी संवेदना प्रकट की। बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद प्रायोजित कर रहा है और समाज में विघटन फैलाने की साजिशें रच रहा है। वहीं नहयान मबारक ने कहा कि भारत और यूएई आतंकवाद का सामना करेंगे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397